Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 213 | मंगलवार, 11 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सीएम की अगुवाई में उमड़ा जन-समुद्र, गूंजा राष्ट्र प्रथम का उद्घोष

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा का पूरे रास्ते पुष्पवर्षा से किया गया भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गोरखपुर। अनगिनत गुब्बारों, झंडों के बीच तिरंगे में रंगा-सजा ढाई किलोमीटर का रास्ता। असंख्य हाथों में लहराता राष्ट्रध्वज तिरंगा, वंदे मातरम और भारत माता की जय के बारंबार तरंगित होते उच्च स्वर। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच पुष्पवर्षा की निर्बाधित श्रृंखला। राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में सोमवार को निकाली गई तिरंगा यात्रा के जरिये गोरखपुर महानगर भव्य और नयनाभिराम दृश्य का साक्षी बना। नगर निगम परिसर से रेलवे स्टेशन चौक तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में देशभक्ति की बयार बही तो राष्ट्र प्रथम का उद्घोष गुंजायमान होता रहा। हाथ में तिरंगा लेकर करीब ढाई किलोमीटर तक पदयात्रा करने वाले सीएम योगी पर पुष्पवर्षा करने के लिए गुरु गोरखनाथ की नगरी का हर नागरिक उत्साहित दिखाई दिया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निगम परिसर के पार्क में स्थापित वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर प्रथम स्वातंत्र्य समर में उनके योगदान को याद किया। तत्पश्चात मंच पर पहुंचकर उन्होंने भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। अपने संबोधन

के जरिये तिरंगा को केंद्र में रखकर उन्होंने लोगों में राष्ट्र प्रथम और देशभक्ति की भावना का संचार किया। इसके बाद वह टाउन हाल पहुंचे और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिरंगा यात्रा की अगुवाई करते आगे बढ़े। तिरंगा यात्रा में सीएम के साथ सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव और अन्य जनप्रतिनिधि साथ-साथ कदम बढ़ा रहे थे। और, इनके समानांतर चल रहे थे उत्साह से सराबोर स्कूली बच्चे। सबके हाथ में लहरा रहा था राष्ट्रध्वज और राष्ट्रभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज रहा था। यात्रा शुरू होने से पहले ही नगर निगम परिसर में बड़ी संख्या में लोग जुट चुके थे। देशभक्ति के गीतों के बीच स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग तिरंगा लेकर पहुंचे थे। बड़ी संख्या में लोग ह्यहर घर तिरंगा अभियान की टी-शर्ट व कैप पहने हुए थे। यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, लोगों का उत्साह भी बढ़ता गया। सीएम योगी की अगुवाई वाली तिरंगा यात्रा में अपार जनसमूह शामिल हुआ। सभी लोग हाथों में तिरंगा झंडा लहराते हुए चल रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो सड़कों पर तिरंगे के साथ जनसमुद्र उमड़ पड़ा हो। जैसे जैसे यात्रा आगे बढ़ती रही, पूरा मार्ग राष्ट्रीय ध्वज के रंगों से प्रतिबिंबित होता रहा। तिरंगा यात्रा में वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे देशभक्ति के ज्वार का माहौल बना रहे थे। नगर निगम से लेकर रेलवे स्टेशन चौक स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक सड़क के किनारे पहले से मौजूद हर उम्र वर्ग के लोगों, विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक संगठनों के लोगों ने जयघोष के बीच पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया। सीएम ने मुस्कुराते हुए सभी का अभिवादन स्वीकार किया। पदयात्रा करते हुए मुख्यमंत्री रेलवे स्टेशन के सामने स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक पहुंचे। यहां उन्होंने प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर यात्रा को विराम दिया। महाराणा प्रताप की प्रतिमा के पास मुख्यमंत्री ने तिरंगे गुब्बारे छोड़े और इसके बाद सेल्फी लेकर उन्होंने इस पल को कैमरे में कैद किया।

हॉस्टल में सो रही छात्राओं को सांप ने काटा, तीन की मौत, तीन अस्पताल में भर्ती

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में एक हॉस्टल में जहरीले सांप के काटने से 3 आदिवासी छात्राओं की मौत हो गई जबकि तीन अन्य छात्राओं का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि घटना के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जिले के प्रशासन से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार आधी रात के आसपास जप्तलाई गांव में आदिवासी हॉस्टल विद्यालय में हुई। ये जगह धनोरा तालुका मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर है। अधिकारी ने बताया कि हॉस्टल में छात्राएं नीचे फर्श पर सो रही थीं, तभी जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया। जिन छात्राओं की मौत हुई

घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी: जिला कलेक्टर

गढ़चिरौली के जिला कलेक्टर अविश्यंत पांडा ने कहा कि घटना की विस्तृत जांच कराई जाएगी। जांच में पता लगाया जाएगा कि घटना का सच क्या है, छात्राओं के रहने की जगह पर सुरक्षा के कितने इंतजाम थे और क्या स्कूल प्रबंधन ने सुरक्षा से जुड़े जरूरी नियमों और सावधानियों का पालन किया था। छात्राओं की मौत पर दुख जताते हुए अविश्यंत पांडा ने कहा कि वो स्कूल व्यवस्थाओं की भी जांच करेंगे। उन्होंने बताया कि सांप के काटने से जिन तीन छात्राओं का इलाज चल रहा है, उन्हें फिलहाल एंटी-वेनम दवा दी गई और मेडिकल टीमें लगातार उनकी स्थिति पर नजर रख रही हैं।

उनकी उम्र 8, 12 और 14 साल थी और जिन का इलाज चल रहा है, वो 11 से 14 आयु वर्ग की हैं।

जिला कलेक्टर ने जिला सर्जन को आदेश दिया है कि इलाज में किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए और अस्पताल में भर्ती छात्राओं को विशेष देखभाल उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि आदिवासी विकास विभाग की टीमें भी घटनास्थल का निरीक्षण करेंगी और घटना से जुड़ी आवश्यक जानकारी जुटाएंगी। अविश्यंत पांडा ने कहा कि अगर जांच में किसी तरह की लापरवाही या सुरक्षा संबंधी चूक सामने आती है तो इसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी और जिनकी गलतियां सामने आएगी वो दोषियों के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

गढ़चिरौली के प्रभारी मंत्री आशीष जायसवाल ने भी घटना पर दुख जताया और मृत छात्राओं के परिवार वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। आशीष जायसवाल ने कहा कि उन्होंने प्रशासन को इलाज करा रही छात्राओं के लिए सभी आवश्यक मेडिकल सुविधाएं और हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री ने कहा कि आदिवासी विकास विभाग की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद घटना की जिम्मेदारी तय की जाएगी और रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीएम मोहन यादव ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, दिया भक्ति का संदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को जबलपुर में 'संस्कार कांवड़ यात्रा 2026' में हिस्सा लिया, जो पवित्र श्रावण महीने का दूसरा सोमवार था। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री यादव ने कांवड़ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर उनका स्वागत किया और उनकी सुरक्षित यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। अठकसे बात करते हुए यादव ने कहा कि आज जबलपुर में, जो माँ नर्मदा का शहर है, लाखों श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ को नर्मदा जल चढ़ाने के लिए कांवड़िए

के तौर पर निकले हैं। मैं सभी को दिल से बधाई देता हूँ और कामना करता हूँ कि सावन का पवित्र महीना सभी की मनोकामनाएं पूरी करे और उनके जीवन की कठिनाइयों को दूर करे।

यादव ने बताया कि लाखों श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में हिस्सा लिया और भगवान शिव को चढ़ाने के लिए नर्मदा नदी से जल लेकर आए। इससे पहले उसी दिन, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी 'संस्कार कांवड़ यात्रा' में हिस्सा लिया।

'विद्या वाहिनी योजना' से छात्राएं होंगी आत्मनिर्भर

सीएम रेखा गुप्ता ने बांटी साईकिल, आसान हुई स्कूल की राह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत नॉर्थ दिल्ली के जोन 7 की 9वीं क्लास की लगभग 200 छात्राओं को साइकिलें बांटीं। यह कार्यक्रम दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित किया गया था और इसका मकसद स्कूल आने-जाने में आसानी करना और लड़कियों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना उन छात्रों को साइकिल देती है जिन्हें आने-जाने में मुश्किल होती है, खासकर उन्हें जो स्कूल पहुँचने के लिए लंबी दूरी तय करते हैं। यात्रा को आसान और सस्ता बनाकर, इस पहल का मकसद नियमित उपस्थिति बढ़ाना, स्कूल छोड़ने वालों की संख्या कम करना और छात्राओं को ज्यादा आजादी देना है। साइकिल पाने वाली छात्राओं ने कहा कि इस पहल से स्कूल आने-जाने में आसानी होगी और पढ़ाई जारी रखने का उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। इस कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि साइकिल को सिर्फ. आने-जाने के साधन के तौर पर नहीं, बल्कि लड़कियों की शिक्षा और आजादी को बढ़ावा देने वाले जरिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार इस साल दिल्ली भर में 9वीं कक्षा की लगभग 1,40,000 छात्राओं को साइकिलें बांटने की योजना बना रही है। इससे पहले, 31 जुलाई को उन्होंने ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 3,000 से ज्यादा साइकिलें बांटी थीं। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस योजना के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि आने-जाने में होने वाली दिक्कतें अक्सर रुकावट बनती हैं, और सरकार यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है कि ऐसी मुश्किलों की वजह से कोई भी छात्रा शिक्षा से पीछे न छूटे। यह वितरण दिल्ली सरकार की उन व्यापक कोशिशों का हिस्सा है, जिनका मकसद स्कूल जाने वाली लड़कियों की मदद करना है। इन कोशिशों से स्कूल तक पहुँच आसान होती है और उनकी पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलती है। उम्मीद है कि इन साइकिलों से रोजाना आने-जाने में आसानी होगी और छात्राओं की आजादी बढ़ेगी, जिससे उन्हें व्यावहारिक फायदे मिलेंगे।

डरना नहीं है, भागना नहीं है! अमित शाह छात्र प्रदर्शन पर संसद में देंगे जवाब, सरकार का विपक्ष को संदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को केंद्र सरकार ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को लेकर संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने का एक संभावित रास्ता सुझाया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह विपक्ष की चिंताओं का जवाब देने के लिए तैयार हैं, जिसमें 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का मुद्दा भी शामिल है। हालांकि, रिजिजू ने विपक्ष से आग्रह किया कि अगर वे चाहते हैं कि गृह मंत्री जवाब दें, तो उन्हें संसद का कामकाज चलने देना चाहिए।

अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की

कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद जब अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो रीजीजू ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पहले दिन से यह मांग कर रहे थे कि गृह मंत्री अमित शाह को (छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर) जवाब देना चाहिए।

रीजीजू ने कहा कि मैं सरकार की ओर से स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि सरकार छात्रों के मामले को लेकर चर्चा के लिए तैयार है और पूरा जवाब देने के लिए तैयार है। गृह मंत्री अमित शाह विस्तार से जवाब देने को तैयार हैं।

उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए यह भी कहा कि कांग्रेस और विपक्ष से अनुरोध है कि उन्हें गृह मंत्री के जवाब के समय डरना नहीं है, भागना नहीं है। उन्हें पूरा जवाब सुनना पड़ेगा। रीजीजू ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में भी यह बात कही गई है कि सरकार विस्तार से चर्चा और जवाब देने को तैयार है।

इस दौरान विपक्ष के सदस्य सदन में नारेबाजी करते रहे। मानसून सत्र की शुरूआत से ही विपक्ष दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग पर अड़ा है। यह और अन्य मुद्दों को लेकर दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई है। शाह के सदन में नहीं आने के विपक्ष के आरोपों पर सरकार की ओर से पिछले दिनों कहा गया था कि गृह मंत्री अमित शाह पूरे दिन संसद में रहते हैं।

झारखंड छात्रों के विरोध पर कांग्रेस मौन, बीजेपी ने राहुल गांधी की चुप्पी पर घेरा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सोमवार को कांग्रेस झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मामले में उलझन में दिखी। पार्टी ने इस आंदोलन पर ज्यादातर चुप्पी साधे रखी है, जबकि NEET (UG) परीक्षा को लेकर वह हफ़्तों से लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साधती रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस के किसी भी बड़े नेता ने इस आंदोलन पर कोई बयान नहीं दिया है और न ही गड़बड़ियों के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की है। इस वजह से भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

केंद्र में सत्ता में मौजूद इखढ ने कांग्रेस की चुप्पी को झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ उसके गठबंधन से

जोड़ा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस को लोकतंत्र का दुश्मन और 'चुनिंदा' रवैया अपनाने वाला बताया है। उन्होंने सवाल किया कि पार्टी झारखंड, पंजाब और कर्नाटक में पेपर लीक के मामलों पर चुप क्यों है। उन्होंने समाचार एजेंसी अठक से कहा कि झारखंड, पंजाब और कर्नाटक के मामलों पर वे (कांग्रेस) चुप हैं। राहुल प्रयागराज जाकर हंगामा करते हैं। देश की जनता यह सब देख रही है... लोगों ने देख लिया है कि अमित शाह कौन हैं। राहुल गांधी से किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

सावन के दूसरे सोमवार सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक

विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प आदि अर्पित करने के बाद जल और गोदुग्ध से किया भगवान भोलेनाथ का अभिषेक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गोरखपुर। चराचर जगत पर कृपा बरसाने वाले देवाधिदेव महादेव को अत्यंत प्रिय पावन सावन माह के दूसरे सोमवार पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार अपराह्न बेला में रुद्राभिषेक व हवन किया। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कर उन्होंने भगवान भोले शंकर से विश्व के कल्याण और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

गोरखनाथ मंदिर के अपने आवास

के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं सीएम योगी ने भगवान भोलेनाथ को विल्व पत्र, दुर्वा, मदार पत्र, कमल पुष्प समेत अनेक पूजन सामग्री अर्पित करने के बाद जल और गोदुग्ध से रुद्राभिषेक किया। मठ के विद्वत आचार्यगण एवं पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न कराया।

रुद्राभिषेक के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन किया। विधि विधान से पूर्ण हुए रुद्राभिषेक अनुष्ठान के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

संपादक की कलम से

झूठा 'बेस्टसेलर' टैग

छपे हुए पन्ने एक किताब से बढ़कर कुछ नहीं होते। ये लेखक के विचार, अनुभव, भावनाएँ, कल्पना और वर्षों की रचनात्मक मेहनत का सार होते हैं। एक अच्छी किताब का पाठक के साथ एक ऐसा रिश्ता होता है जो क्षणिक प्रसिद्धि या व्यावसायिक सफलता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है। लेकिन आज के प्रकाशन उद्योग के युग में, ₹बेस्टसेलर₹ शब्द एक प्रचार का माध्यम बनकर रह गया है। किसी किताब की वास्तविक बिक्री के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध होती है, फिर भी उसे उसके आवरण, विज्ञापनों, सोशल मीडिया पेजों या लेखकों के माध्यम से बेस्टसेलर के रूप में प्रचारित किया जा सकता है। ऐसे में एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है : क्या केवल ₹बेस्टसेलर₹ का लेबल किसी किताब को बेस्टसेलर बना सकता है? आदर्श रूप से, ₹बेस्टसेलर₹ का तात्पर्य वास्तविक बिक्री और पाठकों की निरंतर मांग से होना चाहिए। जब कोई पुस्तक विश्वसनीय और पारदर्शी तरीके से बिकती है, और उसकी बड़ी संख्या में प्रतियां बिकती हैं, तो उसे बेस्टसेलर माना जा सकता है। हालांकि, यदि बिक्री या रैंकिंग के आंकड़े, प्लेटफॉर्म या मापन अवधि प्रदान नहीं की जाती है, तो दावा संदिग्ध हो जाता है। यह स्वाभाविक है कि पाठक पूछेगा, 'किस सूची के अनुसार बेस्टसेलर? कितनी प्रतियां बिकीं? किस अवधि के दौरान? किस प्लेटफॉर्म पर पुस्तक सबसे लोकप्रिय रही? क्या आंकड़ों का कोई स्वतंत्र सत्यापन है?' यदि आपको इन सवालों के जवाब नहीं पता हैं, तो ₹बेस्टसेलर₹ एक वास्तविक उपलब्धि के बजाय एक मार्केटिंग का जुमला बनकर रह जाएगा। सोशल मीडिया के आगमन के साथ इस प्रकार का प्रचार बहुत सरल हो गया है। आकर्षक पोस्टर बनाकर, पुस्तक विमोचन के लिए उपयुक्त तस्वीरें लेकर, वीडियो बनाकर, स्कूलों से समर्थन प्राप्त करके, समीक्षाएँ और बधाई संदेश प्राप्त करके व्यापक प्रभाव डाला जा सकता है। कोई पुस्तक वेब पर कहीं भी मौजूद हो सकती है और इस प्रकार बहुत सफल प्रतीत हो सकती है। हालाँकि, दृश्यता और पाठक संख्या के बीच कोई स्पष्ट संबंध नहीं है। आपके सौ लाइक्स में जितने पाठक हैं, जरूरी नहीं कि उतने ही पाठक हों। किसी के पास किसी की पुस्तक पकड़े हुए तस्वीर होने का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने वास्तव में वह पुस्तक पढ़ी है। इसी प्रकार, बहुत सारी टिप्पणियाँ होने का मतलब यह नहीं है कि पाठक सामग्री में गहराई से रुचि रखते हैं। आप किताब तो खरीद सकते हैं, लेकिन सच्चे पाठक को कभी खरीद नहीं सकते। कई बार किसी अभियान, संस्थागत आयोजन, नेटवर्क या संगठित प्रचार के दौरान किताबों की सैकड़ों या हजारों प्रतियां बिक जाती हैं। लेकिन इसमें बिक्री की कमी नहीं है। लेखकों और प्रकाशकों दोनों को अपनी किताबों से मुनाफा कमाने और उनका प्रचार करने का अधिकार है। समस्या तब शुरू होती है जब बिक्री को बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है और ऐसा लोकप्रियता का भ्रम पैदा करने के लिए किया जाता है। ईमानदार प्रचार और भ्रामक प्रचार में बहुत बड़ा अंतर नहीं होता, लेकिन इसका पाठकों के भरोसे पर गहरा असर पड़ सकता है। इससे एक सच्चा पाठक वर्ग बनता है। सच्चा पाठक किताब खरीदता है, उसे बहुत ध्यान से पढ़ता है, उसकी विषयवस्तु पर विचार करता है, उस पर चर्चा करता है और दूसरों को भी पढ़ने की सलाह देता है। ऐसा पाठक जो ऐसी टिप्पणी पढ़ता है, वह सैकड़ों बनावटी प्रचार टिप्पणियों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। एक लेखक के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता कि वर्षों बाद कोई कहे, ₹मैंने आपकी किताब पढ़ी और इसने किसी चीज को देखने का मेरा नजरिया बदल दिया।₹ इस तरह की प्रतिक्रिया विज्ञापन से नहीं मिलती। यह केवल गुणवत्तापूर्ण लेखन के माध्यम से ही संभव है। समस्या केवल किताबों की बिक्री तक ही सीमित नहीं है।

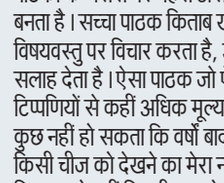

ललित शर्मा
संपादक

आजादी के 80 वर्ष: विज्ञान और खोज में भारत की असाधारण यात्रा

डॉ विजय गर्ग
लेखक

भारत जब अपनी स्वतंत्रता के 80 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है, तब यह केवल एक ऐतिहासिक राजनीतिक उपलब्धि को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक खोज, तकनीकी नवाचार और बौद्धिक विकास की एक असाधारण यात्रा पर विचार करने का भी समय है। 1947 के बाद भारत ने सीमित वैज्ञानिक ढाँचे वाले एक नवस्वतंत्र देश से अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, परमाणु विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और अनेक अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राष्ट्र तक का लंबा सफर तय किया है।

स्वतंत्रता के समय भारत के सामने बहुत बड़ी चुनौतियाँ थीं। गरीबी व्यापक थी, साक्षरता दर कम थी, स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित थीं और वैज्ञानिक संस्थानों की संख्या भी बहुत कम थी। इसके बावजूद देश के नेतृत्व ने यह समझ लिया था कि आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए विज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। मौलिक अनुसंधान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और औद्योगिक विकास के लिए संस्थानों की स्थापना की गई, जिन्होंने भारत के वैज्ञानिक ढाँचे की मजबूत नींव रखी।

भारत की वैज्ञानिक यात्रा का सबसे शानदार अध्याय अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। सीमित संसाधनों के साथ शुरूआत करने वाले भारत ने उपग्रहों के निर्माण और प्रक्षेपण, चंद्रमा और मंगल की खोज तथा उन्नत अंतरिक्ष तकनीकों के विकास की क्षमता हासिल की। भारत के चंद्र मिशनों ने चंद्रमा के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाया, जबकि मंगल मिशन ने यह साबित किया कि सुनियोजित प्रयास और सीमित संसाधनों के बावजूद महत्वाकांक्षी वैज्ञानिक उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। इन उपलब्धियों ने लाखों युवा भारतीयों को विज्ञान और इंजीनियरिंग की ओर नए आत्मविश्वास के साथ देखने के लिए प्रेरित किया है। भारतीय वैज्ञानिकों ने कृषि के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हरित क्रांति ने भारत के खाद्य उत्पादन में बड़ा परिवर्तन किया और देश को खाद्यान्न आयात पर निर्भरता से अधिक खाद्य सुरक्षा की ओर बढ़ने में मदद की। इसके बाद कृषि अनुसंधान ने सूखा-रोधी फसलों, उन्नत किस्मों, जैव प्रौद्योगिकी, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-अनुकूल खेती जैसे क्षेत्रों में प्रगति की। आज चुनौती केवल अधिक भोजन पैदा करना नहीं है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हुए पौष्टिक और टिकाऊ खाद्य उत्पादन करना भी है। स्वास्थ्य क्षेत्र वैज्ञानिक प्रगति का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत ने एक विशाल औषधि उद्योग विकसित किया है और किफायती

दवाओं तथा टीकों के एक महत्वपूर्ण उत्पादक के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

भारतीय शोधकताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने रोग नियंत्रण, निदान, जैव प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में योगदान दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश के अनुभव ने वैज्ञानिक अनुसंधान, वैक्सीन विकास, उत्पादन क्षमता और स्वास्थ्य ढाँचे के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया। सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति शायद भारत के सबसे दिखाई देने वाले परिवर्तनों में से एक है। कुछ दशक पहले अपेक्षाकृत छोटे तकनीकी क्षेत्र से शुरूआत करने वाला भारत आज सॉफ्टवेयर, डिजिटल सेवाओं, दूरसंचार और तकनीकी नवाचार का एक महत्वपूर्ण वैश्विक केंद्र बन चुका है। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के विकास ने यह भी दिखाया है कि तकनीक का उपयोग बड़े पैमाने पर सेवाओं, डिजिटल भुगतान, पहचान और संचार तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। भारत की वैज्ञानिक कहानी में परमाणु ऊर्जा, पदार्थ विज्ञान, इंजीनियरिंग, औषधि उद्योग, आनुवंशिकी, पर्यावरण विज्ञान और नवीकरणीय ऊर्जा भी शामिल हैं। भारतीय संस्थानों ने मौलिक अनुसंधान के साथ-साथ ऐसी तकनीकों के विकास में भी योगदान दिया है, जो आम लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करती हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, उन्नत विनिर्माण और स्वच्छ तकनीकों का विस्तार दर्शाता है कि आधुनिक चुनौतियों से निपटने में विज्ञान की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

इन आठ दशकों की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद कोई एक खोज या तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि देश में वैज्ञानिक संस्कृति का विकास है। विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों, आईआईटी, मेडिकल कॉलेजों और अन्य अनेक संस्थानों ने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, डॉक्टरों और शोधकताओं की कई पीढ़ियाँ तैयार की हैं। देश के भीतर और विदेशों में कार्य कर रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने वैश्विक विज्ञान में भारत के योगदान को मजबूत किया है। लेकिन वैज्ञानिक प्रगति के 80 वर्षों का उत्सव हमें यह सोचने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए कि अगला कदम क्या होगा। भारत जलवायु परिवर्तन, जल संकट, प्रदूषण, उभरती बीमारियों, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों, जैव विविधता में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े नैतिक प्रश्नों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए केवल अधिक अनुसंधान ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिकों, शिक्षकों, उद्योग, नीति-निमार्ताओं और समाज के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता है। भारतीय विज्ञान का भविष्य अंततः युवाओं पर निर्भर करेगा। वैज्ञानिक जिज्ञासा को बचपन से ही प्रोत्साहित करना होगा। विद्यार्थियों को केवल परीक्षाओं के लिए जानकारी याद करने के बजाय प्रयोग करने, प्रश्न पूछने, निरीक्षण करने, कुछ नया बनाने और खोज करने के अवसर मिलने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मजबूत अनुसंधान संस्कृति, बेहतर प्रयोगशालाओं और वास्तविक जीवन की वैज्ञानिक समस्याओं से परिचय की आवश्यकता है। भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वैज्ञानिक प्रगति समावेशी हो। तकनीक और अनुसंधान के लाभ ग्रामीण समुदायों, किसानों, महिलाओं, बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँचने चाहिए। नवाचार तभी सार्थक बनता है जब वह आम नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है। भारत जब स्वतंत्रता के 81वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उसकी वैज्ञानिक यात्रा हमें एक महत्वपूर्ण सबक देती है: राष्ट्र केवल अपने प्राकृतिक संसाधनों या आर्थिक संपदा से मजबूत नहीं होते, बल्कि ज्ञान उत्पन्न करने और उस ज्ञान को समस्याओं के समाधान में बदलने की क्षमता से भी मजबूत होते हैं। प्रयोगशालाओं से खेतों तक, अस्पतालों से उपग्रहों तक, कक्षाओं से डिजिटल नेटवर्क तक–विज्ञान ने पिछले आठ दशकों में भारत के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीमित वैज्ञानिक क्षमता से वैश्विक तकनीकी महत्वाकांक्षा तक की यह यात्रा दृढ़ संकल्प, कल्पनाशीलता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास की कहानी है। अगला अध्याय इससे भी अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। भारत को केवल तकनीक का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीक विकसित करने वाला देश बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। केवल वैज्ञानिक विकास का अनुसरण करने के बजाय उसका नेतृत्व करना चाहिए और केवल कुशल पेशेवर तैयार करने के बजाय मौलिक विचारकों, शोधकताओं और खोजकताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। आजादी के 80 वर्षों ने भारत को निर्माण का अवसर दिया है। आने वाले दशक खोज, नवाचार और वैज्ञानिक नेतृत्व के युग बनने चाहिए।

डिजिटल नशा: क्या सोशल मीडिया पर भी लगे वैधानिक चेतावनी?

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का केवल संचार माध्यम नहीं रह गया है।फेसबुक, इंस्टाग्राम व्हाट्सऐप,यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म अबसूचना मनोरंजन, कारोबार, शिक्षा, राजनीति और सामाजिक संपर्क की हमारी रोजमर्रा की व्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन इसी सुविधा के साथ गंभीर प्रश्न तेजी से सामने आ रहा है क्या सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित इस्तेमाल भी सार्वजनिक स्वास्थ्य का विषय बन चुका है? जिस तरह कभी सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू और शराब को केवल व्यक्ति की निजी पसंद कहा जाता था,लेकिनसमय के साथ यह स्वीकार किया गया कि इनके दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहते,उसी प्रकार अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के डिजाइन, एल्गोरिदम और हानिकारक कंटेंट को लेकर कंपनियों की जवाबदेही का सवाल उठ रहा है। विशेषकर बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और भारत में बढ़ती कानूनी एवं नियामकीय सक्रियता संकेत दे रही है कि डिजिटल दुनिया में भी व्यक्तिगत पसंद' से 'कॉरपोरेट जवाबदेही' की यात्रा शुरू हो चुकी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सोशल मीडिया पर भी सिगरेट जैसी वैधानिक चेतावनी जरूरी है? इंस्टाग्राम, फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा जाना चाहिए कि अत्यधिक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है'? मेरे विचार से इस विचार को पूरी तरह खारिज करने के बजाय इसे आधुनिकडिजिटल सुरक्षा व्यवस्था का एक हिस्सा बनाया जाना चाहिए।लेकिन केवल चेतावनी लिख देना पर्याप्त नहीं होगा। जिस तरह तंबाकू पर चेतावनी के साथ एडवरटाइजिंग रेस्ट्रिक्टओन्स ,एज रेस्ट्रिक्टओन्स और पैकेजग रूल्स बनाए गए,उसी प्रकार सोशल मीडिया के लिए भी बहुस्तरीय व्यवस्था चाहिए।पहला कदम हो सकता है, नाबालिगों के लिए स्पष्ट स्वास्थ्य और सुरक्षा चेतावनी। दूसरा उम्र सत्यापन और चाइल्ड-सेफ डिफाल्ट सेटिंग्स। तीसरा, रात के समय पुश नोटिफिकेशन्स और एडिक्टिव

इंगेजमेंट फीचर्स पर नियंत्रण। चौथा,बच्चों के लिए पर्सनालिज्ड रेकमेंडेशन सिस्टमस की स्वतंत्र ऑडिट । पांचवां,सीएसएएम , डीपफेक और सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन सामग्री के खिलाफ अत्यंत तेज डिटेक्शन और रिमूवल व्यवस्था। छठा,कंपनियों की आंतरिक रिस्क रिपोर्ट्स और अलगोरिथमिक सेफ्टी असेसमेंट्स की स्वतंत्र निगरानी। और सातवां उल्लंघन होने पर ऐसा आर्थिक दंड जो कंपनी के लिए केवल 'व्यावसायिक खर्च बनकर न रह जाए। साथियों बात अगर हम न्यू मैक्सिको का ऐतिहासिक फैसला: 942 मिलियन डॉलर (लगभग 9000 करोड़) की कानूनी चोट और पब्लिक न्यूसेंस का सवाल इस बहस को सबसे बड़ा कानूनी आधार अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य में 6 अगस्त 2026 को देखने को मिला। जहां जूरी ने मेटा प्लेटफार्मस को बच्चों को नुकसान पहुंचाने और प्लेटफॉर्म की सुरक्षा के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह करने के मामले में जिम्मेदार ठहराते हुए,इस मामले के दूसरे चरण में जज ब्रायन बिएडशीड ने मेटा को अतिरिक्त 567 मिलियन डॉलर देने का आदेश दिया। इससे दोनों चरणों की राशि मिलाकर कुल कानूनी देनदारी 942 मिलियन डॉलर हो गई। इस दूसरी राशि में से लगभग 420 डॉलर मिलियन युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य उपचार के लिए इस्तेमाल किए जाने हैं, जबकि शेष धनराशि जागरूकता, रोकथाम स्क्रीनिंग और संबंधित कार्यक्रमों पर खर्च होगी। इसके पहले 24 मार्च 2026 को न्यू मैक्सिको की जूरी ने मेटा प्लेटफार्मस को बच्चों को नुकसान पहुंचाने और प्लेटफॉर्म की सुरक्षा के बारे में उपभोक्ताओं को गुमराह करने के मामले में जिम्मेदार ठहराते हुए 375 मिलियन डॉलर का सिविल पेनल्टी लगाया। न्यू मैक्सिको डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इसे किसी बड़े टेक प्लेटफॉर्म के खिलाफ राज्य द्वारा ट्रायल में हासिल की गई ऐतिहासिक जीत बताया। साथियों, इस फैसले की सबसे महत्वपूर्ण बात केवल जुमार्ने की राशि नहीं है, बल्कि अदालत द्वारा प्लेटफॉर्म के सामाजिक प्रभाव को देखने का नजरिया है। जज ने मेटा को पब्लिक नूईसन्स के रूप में जिम्मेदार ठहराया और प्लेटफॉर्म के डिजाइन तथा बच्चों की सुरक्षा से जुड़े जोखिमों पर कठोर रुख अपनाया। अदालत ने नाबालिगों के लिए नोटिफिकेशन, उम्र सत्यापन, स्क्रीन-टाइम और अन्य डिजाइन फीचर्स में बदलाव जैसे उपायों का आदेश दिया। यह वही बिंदु है जहां सोशल मीडिया को केवल 'एक ऐप' न मानकर उसके पूरे व्यावसायिक डिजाइन और सामाजिक प्रभाव को कानूनी जांच के दायरे में लाया जा रहा है,यहां एक महत्वपूर्ण तथ्यात्मक सावधानी भी जरूरी है। सोशल मीडिया को सीधे तौर पर सिगरेट जितना नुकसानदायक घोषित करना अभी वैज्ञानिक या कानूनी रूप से स्थापित निष्कर्ष नहीं है। लेकिन यह तुलना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों मामलों में बहस इस प्रश्न पर पहुंचती है कि यदि किसी व्यावसायिक उत्पाद के डिजाइन से पूवार्नुमेय नुकसान पैदा होता है, तो क्या निमार्ता केवल यह कहकर जिम्मेदारी से बच सकता है कि इस्तेमाल करना उपभोक्ता की सटीकता से व्यक्तिगत पसंद थी? साथियों बात अगर हम 5 अगस्त 2026 का भारत कनेक्शन :मेटा के सामने कंटेंट, एल्गोरिदम और जवाबदेही की चुनौती इसको समझने की करें तो अमेरिका में कानूनी कार्रवाई के समानांतर भारत में भी मेटा के लिए जवाबदेही का दबाव बढ़ा है। 5 अगस्त 2026 को भारत सरकार और मेटा के बीच हुई उच्चस्तरीय बातचीत के बाद प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा, हानिकारक कंटेंट, डीपफेक और संचालन संबंधी समस्याओं को लेकर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संबंधित एक फेसबुक वीडियो के हटाए जाने के विवाद ने भी इस व्यापक बहस को राजनीतिक और नियामकीय महत्व दिया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार मेटा की ओर से भारत में बातचीत जारी रखने और एल्गोरिदम तथा कानूनी अनुपालन संबंधी मुद्दों पर काम करने की बात सामने आई।

लौटा दे मेरा खोया हुआ प्यार

उदय कशोर साह

कविता

तेरी दिल की गलियों में मैं घूम रहा हूँ
ख्वाबों में आई थी तुम्हें ढुँढ् रहा हूँ
दूर से ही सही दे दो हमें आवाज एक बार
बाँहों में भर लुँ खुशी से तुमको दिलदार

तेरे दिल की गलियों में मैं घूम रहा। हूँ
सावन की अल्हड़ बून्दों संग झूम रहा हूँ
पर्वत को छु कर आई है देख मस्त बयार
काश ! हो जाती मुझे सनम तेरी दीदार

तेरे दिल की गलियों में मैं घूम रहा हूँ
बस्ती बस्ती सबसे तेरी पता पूछ रहा हूँ
कहाँ छुप कर बैठी हो मुझे कर नजरअंदाज
सामने आकर झलक दिखा जा एक बार

तेरे दिल की गलियों में मैं घूम। रहा। हूँ
हर कलियों में तेरी ही अक्स देख रहा हूँ
फिर भी क्यूं गुमसुम हो बैठी हो मेरे यार
किस खता की सजा हमें दे रही हो इस बार

तेरे दिल की गलियों में मैं घूम। रहा। हूँ
हर पल तेरे दिल की धड़कन संग डोल रहा हूँ
गिले शिकवे भूल कर आ कर मेरे जीवन श्रृंगार
लौटा दे सनम मुझे मेरा खोया हुआ मेरा प्यार

UGC का शिकंजा: उच्च शिक्षा की स्वायत्तता पर बढ़ता नियंत्रण या अकादमिक स्वतंत्रता का क्षरण?

एनके शर्मा
लेखक

भारत में उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्रदान करने वाली व्यवस्था नहीं है; यह उस बौद्धिक चेतना की प्रयोगशाला है जहाँ राष्ट्र का भविष्य आकार लेता है। विश्वविद्यालयों में विचार जन्म लेते हैं, स्थापित मान्यताओं पर प्रश्न उठते हैं, असहमति को तर्क मिलता है और ज्ञान सत्ता से स्वतंत्र होकर समाज के सामने सत्य का आईना रखता है। इसलिए विश्वविद्यालय की वास्तविक शक्ति उसके भवनों, बजट या विद्यार्थियों की संख्या में नहीं, बल्कि उसकी अकादमिक स्वायत्तता, बौद्धिक स्वतंत्रता और सत्य की खोज करने की क्षमता में निहित होती है। ऐसे में जब उच्च शिक्षा के नियमन, मानकीकरण और प्रशासनिक नियंत्रण की भूमिका बढ़ती है, तब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठना चाहिए कि नियमन और नियंत्रण के बीच वह महीन रेखा कहाँ है, जिसके पार व्यवस्था अकादमिक गुणवत्ता की संरक्षक न रहकर अकादमिक स्वतंत्रता की नियंत्रक बन सकती है?

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी UGC की मूल अवधारणा भारतीय उच्च शिक्षा में समन्वय, मानकों के निर्धारण और विश्वविद्यालयों को वित्तीय तथा संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने से जुड़ी रही है। स्वतंत्र भारत में उच्च शिक्षा के विस्तार के साथ एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान की आवश्यकता थी जो विभिन्न विश्वविद्यालयों में न्यूनतम शैक्षणिक मानक सुनिश्चित कर सके और उच्च शिक्षा को व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्यों से जोड़ सके। समस्या वक्त के अस्तित्व में नहीं, बल्कि उस नियामक दर्शन में है जिसमें गुणवत्ता सुनिश्चित करने के नाम पर विश्वविद्यालयों की निर्णय लेने की क्षमता लगातार संकुचित होने लगे।

भारत जैसे विशाल, बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और विविध सामाजिक-आर्थिक संरचना वाले देश में यह मान लेना कि सभी विश्वविद्यालयों को एक ही प्रशासनिक, शैक्षणिक और मूल्यांकन ढाँचे में ढालकर उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है, मूलतः एक सीमित दृष्टिकोण होगा। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय, एक राज्य विश्वविद्यालय, एक तकनीकी

संस्थान, एक ग्रामीण विश्वविद्यालय और एक विशिष्ट शोध संस्थान की आवश्यकताएँ समान नहीं हो सकतीं। यदि नियमन का उद्देश्य न्यूनतम गुणवत्ता सुनिश्चित करना है तो वह आवश्यक है; लेकिन यदि नियमन विश्वविद्यालय के प्रत्येक निर्णय, पाठ्यक्रम, नियुक्ति, शोध-पद्धति, मूल्यांकन और प्रशासनिक प्रक्रिया तक विस्तृत हो जाए, तो स्वायत्तता का अर्थ ही खोने लगता है। अकादमिक स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता नहीं है। इसका अर्थ यह भी नहीं कि विश्वविद्यालय गुणवत्ता, पारदर्शिता या जवाबदेही से मुक्त हो जाएँ। इसके विपरीत वास्तविक अकादमिक स्वतंत्रता जवाबदेही के साथ जुड़ी होती है। लेकिन जवाबदेही का तात्पर्य यह नहीं हो सकता कि शोधकर्ता यह सोचकर शोध करे कि उसका निष्कर्ष किसी संस्थागत अथवा राजनीतिक अपेक्षा के अनुरूप है या नहीं। विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा धर्म सत्ता के अनुकूल निष्कर्ष निकालना नहीं, बल्कि प्रमाण के आधार पर सत्य तक पहुँचना है–चाहे वह सत्य सुविधाजनक हो या असुविधाजनक। यहीं से UGC और उच्च शिक्षा की स्वायत्तता के बीच तनाव का वास्तविक प्रश्न पैदा होता है। यदि नियामक संस्था यह निर्धारित करने लगे कि विश्वविद्यालय किस प्रकार पढ़ाएँ, किस प्रकार शोध करें, किस प्रकार मूल्यांकन करें और किस प्रकार संस्थागत निर्णय लें, तो विश्वविद्यालय धीरे-धीरे ज्ञान-सृजन की स्वतंत्र संस्थाएँ न रहकर प्रशासनिक अनुपालन की इकाइयाँ बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक का समय शोध और अध्यापन से अधिक नियमों की व्याख्या और अनुपालन में खर्च हो सकता है। विश्वविद्यालय का मूल्यांकन उसकी मौलिक बौद्धिक उपलब्धियों से अधिक उसके दस्तावेजों, पोर्टलों, रिपोर्टों और अनुपालन प्रमाणपत्रों से होने लगे तो यह उच्च शिक्षा की आत्मा के लिए गंभीर संकेत है। भारत में उच्च शिक्षा पहले ही कई संरचनात्मक चुनौतियों से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में स्थायी शिक्षकों की कमी, शोध के लिए सीमित संसाधन, प्रयोगशालाओं की अपर्याप्तता, पुस्तकालयों की कमजोर स्थिति, शोधार्थियों की वित्तीय कठिनाइयाँ और प्रशासनिक बोझ जैसी समस्याएँ वास्तविक हैं। ऐसे समय में यदि नियमन लगातार बढ़ता जाए लेकिन संसाधन और संस्थागत क्षमता उसी अनुपात में न बढ़ें, तो विश्वविद्यालयों पर अनुपालन का अतिरिक्त बोझ पड़ना स्वाभाविक है। परिणामतः शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुधारने के बजाय संस्थान 'कागजी उत्कृष्टता' की दौड़ में शामिल हो सकते हैं। दूसरी बड़ी चिंता शोध की स्वतंत्रता से संबंधित है। विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय वही होते हैं जहाँ प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता होती है। विज्ञान में स्थापित सिद्धांतों को चुनौती देने वाला शोध हो, अर्थशास्त्र में सरकारी नीतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण हो, समाजशास्त्र में सामाजिक असमानताओं का अध्ययन हो अथवा इतिहास की प्रचलित व्याख्याओं का पुनर्मूल्यांकन–ज्ञान का विकास तभी संभव है जब शोधकर्ता असहमति व्यक्त करने से भयभीत न हो। यदि विश्वविद्यालयी वातावरण में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश जाए कि कुछ प्रश्न 'संवेदनशील' हैं और कुछ निष्कर्ष 'अनुकूल' या 'प्रतिकूल', तो अकादमिक स्वतंत्रता का क्षरण शुरू हो जाता है। यहाँ एक और सूक्ष्म खतरा है–राजनीतिक सत्ता का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप ही अकादमिक स्वतंत्रता के लिए खतरा नहीं होता; संस्थागत भय भी उतना ही प्रभावशाली हो सकता है। जब शिक्षक या शोधकर्ता अपने कैरियर, पदोन्नति, नियुक्ति, अनुदान या संस्थागत प्रतिष्ठा को लेकर आशंकित हो जाए, तब उसे चुप कराने के लिए किसी औपचारिक आदेश की आवश्यकता नहीं रहती। आत्म-सेंसरशिप स्वयं जन्म ले लेती है। और जिस विश्वविद्यालय में शिक्षक प्रश्न पूछने से पहले अपने भविष्य के बारे में सोचने लगे, वहाँ ज्ञान का स्वतंत्र प्रवाह धीरे-धीरे सूखने लगता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने लगाया शिव कांवड़ सेवा शिविर, शिवभक्तों की सेवा का लिया गया संकल्प

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। सावन माह में भगवान भोलेनाथ के भक्तों की सेवा के लिए अखिल भारतीय हिंदू महासभा की ओर से 'शिव कांवड़ सेवा शिविर, हापुड़' का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से कांवड़ यात्रा पर आने वाले शिवभक्तों के स्वागत एवं सेवा की व्यवस्था की गई है।संगठन की ओर से लगाए गए शिव कांवड़ सेवा शिविर के बैनर पर भगवान शिव का चित्र एवं अखिल भारतीय हिंदू महासभा का नाम प्रमुखता से अंकित है। संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने शिवभक्तों की सेवा को धार्मिक एवं सामाजिक दायित्व बताते हुए कांवड़ियों की सुविधा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।श्रावण मास में हरिद्वार, गोमुख सहित विभिन्न पवित्र स्थलों से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों के लिए सेवा एवं आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस अवसर पर अनिल शर्मा, अखिल भारतीय हिंदू महासभा का शिव कांवड़ सेवा शिविर भी श्रद्धालुओं हापुड़ पहुंचने पर जगह-जगह सेवा शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय प्रभारी, इंदु सोलंकी, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा, स्वामी विजय नारायण भट्ट, राष्ट्रीय अध्यक्ष, धर्मेंद्र त्यागी, जिला अध्यक्ष हापुड़, सौदान सिंह, जिला संगठन मंत्री हापुड़, रवि चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव युवा मोर्चा हापुड़, अंकित कुमार यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा हापुड़ सहित अन्य सेवादार एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने लोगों को जाति-पांति के भेदभाव को छोड़कर एकजुट होने तथा सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हुए सनातन संस्कृति एवं हिंदू समाज के प्रति जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। शिविर में कार्यकताओं ने श्रद्धा एवं समर्पण के साथ शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा करने का आह्वान किया। चाहें तो मैं इसे वेलकम इंडिया/स्थानीय अखबार की 2-कॉलम छोटी खबर के रूप में भी तैयार कर सकता हूं।

दिव्या ने फिर जीता गोल्ड मेडल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिजनौर। दिव्या ने फिर जीता गोल्ड भोपाल के छोटा तालाब में 8 से 10 अगस्त अस्मिता कयाकिंग और कैनोइंग नेशनल लीग में ग्राम अथाई निवासी सशस्त्र सुरक्षा बल के सब इंस्पेक्टर यशवीर सिंह की पुत्री दिव्या यादव ने उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए सब जूनियर कैनोइंग में सी1-1000, मीटर्स में गोल्ड मेडल जीता और जूनियर वर्ग की सी1- 500 में सिल्वर मेडल जीता। प्रतियोगिता का उद्घाटन मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग द्वारा किया गया एवं पुरस्कार वितरण खेल एवं युवा कल्याण विभाग की डायरेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम द्वारा किया गया। इससे पूर्व जून में हुई राष्ट्रीय क्याकिंग प्रतियोगिता में भी दिव्या एक गोल्ड व चार सिल्वर जीत चुकी हैं। दिव्या यादव सांई द्वारा भोपाल में चलाये जा रहे कैम्प में संजीव लोहकर क्याकिंग का प्रशिक्षण ले रही है। दिव्या की इस सफलता से पूरे परिवार व ग्राम अथाई में खुशी की लहर है। विवेकानन्द दिव्य भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष योगेन्द्र पाल सिंह योगी ने दिव्या की इस दोहरी सफलता पर शुभकामनाएं दी हैं और आशा व्यक्त की है कि दिव्या इसी प्रकार का प्रदर्शन सीनियर व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कर जनपद और देश का नाम रोशन करेंगी।

पिलखुवा देहात मंडल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, युवा शक्ति ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। पिलखुवा देहात मंडल में आज मंडल अध्यक्ष हेमंत त्यागी के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में युवाओं और ग्रामीणों ने पूरे उत्साह एवं ऊर्जा के साथ सहभागिता करते हुए देशभक्ति का संदेश दिया।तिरंगा यात्रा के मुख्य अतिथि निशांत शिसोदिया एवं निवर्तमान जिला अध्यक्ष नरेश तोमर रहे। यात्रा के संयोजक मंडल उपाध्यक्ष विशाल त्यागी रहे। यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा लेकर युवा शक्ति एवं ग्रामीणों ने पूरे जोश के साथ भारत माता के जयकारे लगाए।इस अवसर पर सुधीर त्यागी, दीपक चौहान, योगेश त्यागी, गिरीश प्रमुख, नागेंद्र तोमर, प्रदीप प्रधान सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। भव्य तिरंगा यात्रा से पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

लखनऊ में अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिले आशुतोष शर्मा, गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा से मजबूत दावेदारी का दिया संदेश

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद हापुड़ के वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रमुख दावेदार आशुतोष शर्मा ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस दौरान आशुतोष शर्मा ने गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में पिछले वर्षों के दौरान किए गए कार्यों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष को विस्तार से जानकारी दी।मुलाकात के दौरान आशुतोष शर्मा ने बताया कि सितंबर माह में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी महिला पंचायत का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें करीब 10 हजार महिलाओं के शामिल होने का दावा किया गया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में उनके द्वारा करीब 10 हजार महिलाओं के सम्मान का कार्यक्रम भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर माह में गढ़मुक्तेश्वर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश का विशाल प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें करीब 5 हजार ब्राह्मण समाज के लोगों के शामिल होने की बात कही गई है।इसके अलावा नवंबर माह में विशाल शिक्षा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें करीब एक हजार छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।आशुतोष शर्मा ने अखिलेश यादव को बताया कि पिछले 10 वर्षों में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में 40 हजार से अधिक लोगों का सम्मान किया जा चुका है। उन्होंने क्षेत्र में समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने और पार्टी के संगठन को लगातार मजबूती प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से वह लगातार गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय रहकर समाजवादी पार्टी के कार्यक्रमों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

पार्टी को मजबूत करने के लिए अपने स्तर से बड़े पैमाने पर संसाधन खर्च किए गए हैं। आशुतोष शर्मा की अखिलेश यादव से हुई इस मुलाकात को गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र में उनकी सक्रियता और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उनकी दावेदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समर्थकों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार सक्रियता और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के चलते आशुतोष शर्मा की दावेदारी मजबूत हुई है।

रम्भा मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल में द्वितीय शिविर कैंप का आयोजन

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। रम्भा मोटर्स ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल की ओर से द्वितीय शिविर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। बैनर के अनुसार यह शिविर 07 अगस्त 2026 से 11 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन आरटीओ ऑफिस के पास, मेरठ रोड, हापुड़ स्थित रम्भा मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल में किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से लोगों को वाहन संचालन एवं ड्राइविंग से संबंधित प्रशिक्षण और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है आयोजकों ने लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। शिविर में सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूकता पर भी जोर दिया जा रहा है इसके आलावा वहान चालकों को नियम अनुसार जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है जिसके चलते कोई सड़क दुर्घटना नहीं हो पाये सभी यात्री व भोले व भोली भक्त अपने स्थान पर सुरक्षित वह कुशलतापूर्वक पहुंच जाए।

11अगस्त से प्रतिदिन रोगानुसार योग क्लास एवं दैनिक यज्ञ का होगा शुभारंभ: प्रकाश चंद

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। राजा का ताजपुर श्रावण की शिवरात्रि पर्व 11अगस्त मंगलवार 2026 प्रातः 6:00 बजे यज्ञ हवन के साथ योग प्रारंभ किया जाएगा। इस त्योहार से सरस्वती विद्या मंदिर पोटा रोड ताजपुर में प्रतिदिन योग क्लास का शुभारंभ होगा। योगाचार्य डॉ.प्रकाश चंद ने बताया कि सुख शांति स्वास्थ्य दीर्घायु के लिए विशेष योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें योग साधकों को प्राकृतिक औषधियों से उपचार एवं निशुल्क योग, प्राणायाम, व्यायाम एवं आसान कराए जाएंगे ,रोग अनुसार दैनिक यज्ञ का आयोजन भी होगा योगाचार्य डॉ. प्रकाश ने बताया किप्राकृतिक चिकित्सा एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है जो बिना किसी कृत्रिम दवाई या शल्यक्रिया के शरीर के आंतरिक उपचार तंत्र और पंचमहाभूतों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश का उपयोग करके रोगों का उपचार करती है और स्वास्थ्य रक्षा में सहयोगी है ।'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः' सभी सुखी हों सभी निरोगी हों, ऐसी भावना से नर सेवा, नारायण सेवा होगी ,उन्होंने बताया योग, यज्ञ, आयुर्वेद, नेचुरोपैथी निराश जीवन में आशा की किरण है ,सभी योग साधकों को आयु, स्थिति एवं रोग के अनुसार प्राणायाम,ध्यान एवं व्यायाम कराया जाएगा।

गौर गांव में छात्राओं ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, 'भारत माता की जय' के नारों से गूंजा मिजार्मुराद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मिजार्मुराद। देशभक्ति के रंग में सराबोर सोमवार को सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के गौर गांव स्थित स्व. वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने भव्य तिरंगा यात्रा निकालकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। हाथों में तिरंगा लेकर निकली छात्राओं ने पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए, जिससे मिजार्मुराद का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने किया। 'हर मन में तिरंगा, हर कण में तिरंगा' के उद्घोष के साथ तिरंगा यात्रा महाविद्यालय परिसर से शुरू हुई। यात्रा मिजार्मुराद बाजार से होकर गुजरी और वापस महाविद्यालय परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ आगे बढ़ती रहीं। डीजे पर बज रहे देशभक्ति और भक्ति गीतों ने माहौल को और उत्साहपूर्ण बना दिया। मार्ग में लोगों ने भी तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। आयोजकों ने बताया कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य मां भारती की सेवा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के शौर्य एवं साहस को नमन करना है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक जुलूस नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, एकता और प्रत्येक भारतीय के स्वाभिमान का प्रतीक है। यात्रा में छात्राओं की बड़ी संख्या में भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

तिरंगा यात्रा के दौरान छात्राओं में जबरदस्त उत्साह और अनुशासन देखने को मिला। हाथों में लहराता तिरंगा और देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। छात्राओं की सहभागिता को देखकर स्थानीय लोगों में भी उत्साह नजर आया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रगान के साथ तिरंगा यात्रा का समापन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने छात्राओं के उत्साह और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को देश के वीर शहीदों और जवानों के त्याग से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। तिरंगा यात्रा में किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामप्रकाश सिंह 'वीरू', वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह गौतम, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र बिंद, योगेश सिंह, डॉ. आशुतोष उपाध्याय, अमृता सिंह, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', शिवांगी सिंह 'शालू', अमित पटेल 'रिंकू', अजय पटेल, ओमप्रकाश, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता सिंह, राकेश पटेल, डॉ. विजय सिंह, मुकेश यादव, राजेश सिंह, रामजी यादव, अजय सोनकर, जय सिंह पटेल, आनंद रघुवंशी, डॉ. अंजना सिंह, अंजली जायसवाल, स्नेहा मिश्रा, श्वेता कुमारी, वीरेंद्र समेत भाजपा कार्यकर्ता, शिक्षक-शिक्षिकाएं और सैकड़ों छात्राएं मौजूद रहीं। तिरंगा यात्रा को लेकर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सपा के भावी प्रत्याशी ललित सिंह एडवोकेट ने कांवड़ियों को वितरित किया खीर का प्रसाद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। सावन माह की पावन कांवड़ यात्रा के दौरान समाजवादी पार्टी के भावी प्रत्याशी हापुड़ विधानसभा-59 ललित सिंह एडवोकेट ने मेरठ रोड पर शिवभक्त कांवड़ियों के लिए खीर के प्रसाद का वितरण कराया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों की सेवा करते हुए श्रद्धापूर्वक प्रसाद वितरित किया। ललित सिंह एडवोकेट ने कहा कि शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा करना पुण्य और सौभाग्य का कार्य है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा को सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा बेहतर इंतजाम किए गए हैं। इस मौके पर संजय गहलोत, अंकित जाटव, रश्मि यादव, मुन्नी यादव, शालू जौहरी, अंजू, पुरुषोत्तम वर्मा सहित समाजवादी पार्टी के अन्य कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। सभी ने शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा करते हुए उनकी मंगलमय एवं सुखद यात्रा की कामना की।

डाक बम कांवरियों का जत्था जल लेने रवाना

मिजार्मुराद। युवा शक्ति समिति के सदस्यों द्वारा सोमवार की दोपहर मिजार्मुराद से 20 युवा डाक बम का जत्था गंगाजल लेने प्रयागराज रवाना हुआ। डाक बम का जत्था प्रयागराज से गंगा जल लेकर मंगलवार को 24 घंटे के अंदर सवा सौ किलोमीटर का दूरी तय करते हुए बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे।युवकों के साथ डीजे पर बाबा भोलेनाथ के अनेकों भजन भज रहे थे व देश की शान तिरंगा लहरा रहा था।जत्थे में रोहित विश्वकर्मा, नीतीश विश्वकर्मा, शनि विश्वकर्मा, आशीष शर्मा, अनूप शर्मा, प्रदुम राजभर, लोलो, पोलो, अरविंद बिन्द, गोविंद, गोलू, मनीष मौर्या, बृजेश राजभर, विशाल मौर्या, गोलू गुप्ता समेत अन्य लोग रहे।

भक्तों के सौजन्य से शुकुल बाजार में निकली कांवड़ यात्रा

जगह-जगह पुष्पवर्षा कर कांवरियों का हुआ स्वागत, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमेठी/शुकुल बाजार। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर सोमवार को शुकुल बाजार में भक्तों के सौजन्य से भव्य एवं दिव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। शिव पार्वती धर्मशाला से शुरू हुई कांवड़ यात्रा आदि गंगा गोमती के रेस घाट पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से कलश में पवित्र जल भरा। इसके बाद कांवरियों का जत्था ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र महावीरन धाम पहुंचा, जहां भगवान शिव के मंदिर में पवित्र जल से जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। कांवड़ यात्रा के दौरान पूरा शुकुल बाजार हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने कांवरियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पांडेगंज चौराहे पर त्रिलोचन पांडे, राजा पांडे सहित अन्य भक्तों ने पुष्पवर्षा कर कांवरियों का उत्साह बढ़ाया। जगह-जगह हुए स्वागत से यात्रा का माहौल भक्तिमय हो गया। कांवड़ यात्रा में वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ल, उद्योगपति महेंद्र विजय सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष पंडित राम उंजेरे शुक्ल, विश्व हिंदू परिषद के जिला कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया विभाग के जिला सहसंयोजक सुशील कुमार मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष शंकर बक्श सिंह, मंडल महामंत्री उदय नारायण मिश्रा, युवा भाजपा नेता विश्व प्रकाश शुक्ल, कस्बे के प्रतिष्ठित व्यापारी ध्रुव गुप्ता, विजय गुप्ता, पप्पी सेठ, शुभम कसौधन सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मार्ग पर पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। विशाल जनसमूह की सहभागिता और श्रद्धालुओं के उत्साह के चलते शुकुल बाजार की यह कांवड़ यात्रा ऐतिहासिक एवं यादगार रही।

मधापुर में आयोजित हुई पीडीए चौपाल में गूंजे अखिलेश यादव के विचार, जनता से किया संवाद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के गांव मधापुर में पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी के विचारों और पार्टी की विचारधारा को जनता के बीच रखते हुए लोगों से संवाद किया गया।इस दौरान पदम सिंह जाटव ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और सामाजिक न्याय एवं समानता की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।पीडीए चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं और विचारों को भी सुना गया तथा संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी युवा विद्यार्थी मंथन पोर्टल का शुभारंभ, 140 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा सम्मान

पढ़ाई को बोझ नहीं, भविष्य संवारने का रास्ता समझें: सीएम धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन पोर्टल का शुभारंभ किया। इसके साथ ही प्रदेश के विद्यालयी छात्र-छात्राओं के लिए 'मेरे सपनों का उत्तराखंड : एक विकसित राज्य हेतु मेरा दृष्टिकोण' विषय पर निबंध प्रतियोगिता की शुरूआत हो गई। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों, सपनों और विकसित उत्तराखंड को लेकर उनके दृष्टिकोण को सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि निबंध प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के 140 बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही चयनित छात्र-छात्राओं की नीट, जेईई, क्लैट, एसईटी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग तथा अन्य आवश्यक शुल्क का वहन राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी करने में सहायता करेगी। कार्यक्रम में प्रदेशभर के 2,828 सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों के कक्षा 11वीं और 12वीं के तीन लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने खेलों को बढ़ावा देने, सप्ताह में चार दिन खेल की कक्षा आयोजित करने, विद्यालयों में विद्यार्थियों को मिलने वाले विभिन्न अवसरों को बढ़ाने, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखंड को अग्रणी बनाने, राज्य में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने सहित कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की ओर से दिए गए सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें स्वयं नोट किया और अधिकारियों को सुझावों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के उपयोगी सुझावों को सरकार की नीतियों में भी शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं की सोच और उनके सुझाव प्रदेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं तथा सरकार नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को नीति निर्माण से जोड़ने का प्रयास कर रही है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र-छात्राएं देश के वर्तमान और भविष्य हैं। उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा में केवल अच्छे अंक हासिल करना ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि विषय की सही समझ विकसित करना अधिक जरूरी है। जीवन में संस्कार और अनुशासन अपनाकर सफलता हासिल की जा सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई को बोझ नहीं समझना चाहिए, बल्कि इसे अपने भविष्य को बेहतर बनाने का माध्यम मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में नेतृत्वकर्ता के रूप में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। एक अच्छा नेतृत्वकर्ता वही होता है, जो अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के साथ समाज के प्रति संवेदनशील रहता है। अपने कार्य के प्रति लगन और समाज के लिए योगदान व्यक्ति को लंबे समय तक यादगार बनाता है।

राजस्व बढ़ाने के नए प्रयासों पर मुख्य सचिव ने अधिकारियों से की चर्चा

कर चोरी रोकने के लिए एआई आधारित जांच प्रणाली विकसित करने के निर्देश, सभी कर विभागों के डाटा इंटीग्रेशन पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में प्रदेश में राजस्व वृद्धि को लेकर अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अर्जित राजस्व की स्थिति की समीक्षा की और राजस्व बढ़ाने के लिए नए प्रयासों एवं नवाचारों पर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। मुख्य सचिव ने राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग को कर चोरी रोकने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच प्रणाली को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले चार से पांच महीनों में एआई आधारित ऐसा तंत्र विकसित किया जाए, जिसके माध्यम से कर चोरी के संभावित मामलों की पहचान तेजी से की जा सके और विभाग को समय रहते कार्रवाई करने में मदद मिले। उन्होंने कर से संबंधित सभी विभागों के डाटा को आपस में जोड़ने पर विशेष जोर दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि विभिन्न विभागों के डाटा का एकीकृत उपयोग होने से राजस्व से जुड़ी गतिविधियों की बेहतर निगरानी की जा सकेगी तथा कर चोरी और राजस्व में होने वाली अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने परिवहन विभाग में लगे स्वचालित नंबर प्लेट पहचान कैमरों के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कैमरों की मदद से वाहनों से संबंधित गतिविधियों की निगरानी को मजबूत किया जाए और इससे राजस्व संग्रह में भी अधिक प्रभावी परिणाम हासिल किए जाएं। उन्होंने उप निबंधक कार्यालयों में निबंधन और पंजीकरण से संबंधित अभिलेखों के रखरखाव तथा अन्य कार्यों का डिजिटलाइजेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि डिजिटल व्यवस्था से रिकॉर्ड के रखरखाव में पारदर्शिता आएगी और आम लोगों को भी सुविधाएं मिलेंगी।

बैठक में खनन से राजस्व बढ़ाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने वन एवं गैर-वन क्षेत्रों में नए खनन लॉट चिन्हित करने के निर्देश दिए। इसके लिए जिला प्रशासन का सहयोग लेने को कहा गया, ताकि संभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन और आवश्यक कार्रवाई तेजी से की जा सके। उन्होंने कहा कि वन निगम जिन खनन क्षेत्रों और टीमों में आवश्यक कार्य नहीं कर पा रहा है, वहां वन विभाग अपने स्तर से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। मुख्य सचिव ने खनन गतिविधियों से जुड़े कार्यों में बेहतर समन्वय और प्रभावी निगरानी की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने प्रदेश में जड़ी-बूटी क्षेत्र की संभावनाओं को भी राजस्व वृद्धि के नए स्रोत के रूप में विकसित करने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जड़ी-बूटियों से संभावित आय का विस्तृत अध्ययन कराया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में जड़ी-बूटियों के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और इनके व्यवस्थित उपयोग से रोजगार के साथ-साथ प्रदेश की आय में भी वृद्धि की जा सकती है। मुख्य सचिव ने कार्बन क्रेडिट को प्रदेश की आय के नए स्रोत के रूप में शामिल करने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही नए इको टूरिज्म स्थलों के विकास की संभावनाओं पर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्राकृतिक संपदा और पर्यावरणीय विशेषताओं का संरक्षण करते हुए पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने आम लोगों को टिम्बर की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया।

यूजीसी के नियमों को निरस्त करने की मांग, राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोवर्धन। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नियमों को लेकर श्री राजपूत करणी सेना एवं सर्व समाज के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ता तहसील गोवर्धन पहुंचे, जहां उन्होंने एसडीएम सुशील कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर यूजीसी के संबंधित नियमों एवं प्रावधानों को पूर्णतः निरस्त करने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि प्रस्तावित नियमों से देश के लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शैक्षणिक संस्थानों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। कार्यकर्ताओं ने नियमों के दुरुपयोग की संभावना पर चिंता जताते हुए झूठी अथवा राजनीतिक द्वेष से प्रेरित शिकायतों के मामलों में शिकायतकर्ता के विरुद्ध उचित कार्रवाई का प्रावधान किए जाने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों में सामाजिक सौहार्द बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही, किसी भी नियम को लागू करने से पहले संविधान में प्रदत्त समानता सहित नागरिकों के मौलिक एवं संवैधानिक अधिकारों का ध्यान रखा जाना चाहिए। इस दौरान आगरा मंडल प्रभारी डॉ. सीताराम, जिला अध्यक्ष रविशंकर, जिला संगठन मंत्री महेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष बॉबी चौहान, गोवर्धन विधानसभा अध्यक्ष गुछ मोहन श्याम, जिला प्रभारी लक्ष्मी नारायण, कोषाध्यक्ष भानोज सिंह एवं अनूप सिंह सहित संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति से मांग की कि विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं देश की शिक्षा व्यवस्था के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित यूजीसी नियमों की समीक्षा करवाई जाए तथा आवश्यक होने पर उन्हें निरस्त करने के लिए केंद्र सरकार को उचित निर्देश दिए जाएं।

श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर भोलेनाथ के मंदिरों मे शिवभक्तों की लगी कतार

मथुरा/छाता (वेलकम इंडिया)। सावन मास के दूसरे सोमबार के अवसर पर मैन बाजार स्थित रत्नेस्वर महादेब मन्दिर में बाबा भोले नाथ के भक्तों ने बम बम भोले के जयकारे लगाये भगवान शिव को यह श्रावण माह सबसे ज्यादा प्रिय होता है जो भी भक्त सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं तो भगवान खुश होकर भक्तों की मनोकामना अवश्य पूर्ण करते हैं मंदिर सेवाधिकारी गौरव अविरल सास्त्री ने बताया भगवान शिव को प्रसन्न करने का उत्तम माह सावन है जिसमे विभन्न प्रकार के गाय के दूध व फलों के रस से रुद्रभिषेक करने से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। साथ ही जो शिव भक्त आने वाली महाशिवरात्रि पर रात्रि में दीप दान करता है उसकी आयु लंबी होती है और भगवान शिव की कृपा का पात्र होता है भगवान शिव को शमी व आक विल्वपत्र अति प्रिय है जिससे भगवान जल्द ही प्रसन्न होते है इसी क्रम में नगर के सभी शिव मंदिर में। भक्तों का जमावड़ा दिखा पूरा मन्दिर। जय बोले बम्म बम भोले के जयघोष से गूंजता नजर आया संध्या काल मे महिला भक्त मंडली द्वारा भोले के भजनों से भोलेनाथ को रिझाते है इसी क्रम में कर्णेश्वर महादेव मंदिर चतुर्भुज मंदिर प्रांगण में स्थित महादेव मंदिर में भक्तों की भीड़ देखने को मिली।

टाउनशिप के जर्जर क्वार्टरों में रहने को मजबूर रिफाइनरी कर्मचारी

वर्ष 2023 की आरएलए रिपोर्ट में टाउनशिप के क्वार्टर पाए गए थे असुरक्षित

- आवासीय क्वार्टरों के छज्जा गिरने से नगरवासी भयभीत

-रिफाइनरी प्रबंधन की कार्यशैली पर उठे सवालिया निशान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी टाउनशिप में रह रहे कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए आवासीय क्वार्टर अब किसी खतरे के घर से कम साबित नहीं हो रहे हैं। चार दशक पुराने हो चुके ये रिहाइशी परिसर समय के साथ बेहद जर्जर हो चुके हैं, जिससे यहाँ रहने वाले लोगों की जान-माल पर अब हमेशा खतरा मंडराता रहता है। हाल ही में बारिश के मौसम में कई क्वार्टरों के छज्जों से प्लास्टर गिर गया, जिससे घरेलू सामान का नुकसान हो गया, गनीमत यह रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस घटना ने टाउनशिप वासियों के दिलों में खौफ पैदा कर दिया है। टाउनशिप की सुरक्षा व रखरखाव पर अब गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों की मानें तो वर्ष 2023 में टाउनशिप के क्वार्टर की आरएलए रिपोर्ट बनवाई गई थी, इस रिपोर्ट में टाउनशिप के कई सेक्टरों और क्वार्टरों को ' रहने योग्य नहीं' पाया गया था। पूर्व की रिपोर्ट में असुरक्षित घोषित किए जाने के बावजूद कर्मचारियों का वहां रहना जारी है, जिससे प्रबंधन की कार्यशैली और कॉस्ट कटिंग की नीतियों पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। टाउनशिप के जर्जर क्वार्टरों में लगातार हो रही घटनाओं ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रबंधन की कुंभकर्णीय नींद को खोल दिया है, अब आवासीय क्वार्टरों की मजबूती (स्ट्रेंथ) की दोबारा जांच कराई जा रही है। इसके लिए आईआईटी रुड़की को लाइनअप कर नई आरएलए रिपोर्ट तैयार कराई जाएगी। हालांकि, स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर संशय है कि जो क्वार्टर पहले ही असुरक्षित पाए गए थे, क्या वे अब नई रिपोर्ट में सुरक्षित पाए जाएंगे। नगर वासियों का कहना है कि ये मकान करीब 40 साल पुराने हैं। हालांकि प्रबंधन धीरे-धीरे पुराने क्वार्टरों को ध्वस्त कर नए क्वार्टर बना रहा है, लेकिन जब तक पूरी तरह से नए आवास उपलब्ध नहीं हो जाते, तब तक इन जर्जर ढांचों में जिंदगी गुजारना बेहद जोखिम भरा बना हुआ है। अब सभी की निगाहें आने वाली नई आरएलए रिपोर्ट और प्रबंधन के अगले कदम पर टिकी हैं।

गोवर्धन के भुवनेश कुमार बने असिस्टेंट कमांडेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन तहसील के गांव नगला छिंगा निवासी भुवनेश कुमार पुत्र विजयपाल सिंह चौधरी यूपीएससी सीएपीएफ घोषित हुए परिणाम में ऑल इंडिया रैंक 245 प्राप्त कर असिस्टेंट कमांडेट बनकर अपने क्षेत्र व परिवार का नाम रोशन किया। वही बताते चले भुवनेश कुमार की ताई श्रीमती रजनी चौधरी पत्नी विनोद सिंह गोवर्धन ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं। भुवनेश कुमार के 3 भाई बहन है। वही उनके ताऊ विनोद प्रमुख, विजयपाल सिंह, देवेश चौधरी, मनोज कुंतल, योगेश चौधरी, रविंद्र चौधरी, अजीत चौधरी, तेजपाल, छगन प्रधान, सचिन लंबरदार आदि लोगों ने हर्ष वक्त किया।

निपुण भारत मिशन शासन की महत्वाकांक्षी योजना: बुद्धसेन सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। विकासखण्ड नंदगांव में संचालित तीसरे बैच के पांच दिवसीय समापन के दौरान एफ.एल.एन. प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बीईओ बुद्धसेन सिंह ने कहा कि जब इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों को लाभान्वित किया जाएगा। उसके बाद ही विद्यालयों में से लेकर निपुण भारत मिशन योजना शासनादेश के अनुरूप ही प्रदेश को निपुण होने में देर नहीं लगेगी।शासन ने पहले इस योजना को कक्षा तीन तक रखा गया था। अब इसे आगे करते हुए कक्षा पांच तक कर दिया गया है। नोडल एआरपी भारती यादव ने कहा कि एनसीईआरटी के आदेश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है।इस अवसर पर उन्होंने निपुण भारत मिशन की सफलता को देखते हुए एफ.एल.एन.के समस्त बैचों को सफल बनाने की अपील करते हुए प्रशिक्षार्थियों से अपने अपने विद्यालयों को निपुण बनाए जाने को कहा। इस अवसर पर उपस्थित संदर्भ दाता गणों राजेश कुमार, दिनेश कुमार, नवीन शर्मा, हर्ष गौतम आदि ने प्रशिक्षार्थियों से क्रम संख्या एक से लेकर अंतिम प्रशिक्षु तक अपने जीवन की एक घटना को अवगत कराते हुए अपने विधालय के अनुरूप परिचय भी कराया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में मुख्य अतिथि बीईओ बुद्धसेन सिंह, नोडल एआरपी भारती यादव, संदर्भदाता राजेश कुमार, दिनेश कुमार, नवीन शर्मा, हर्ष गौतम, कंप्यूटर टैक्निकल विनय कुमार मिश्रा, नवीन कुमार शर्मा, पंकज आदि के साथ साथ प्रशिक्षार्थी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का जन समूह उपस्थित था।

दानघाटी मंदिर के रिसीवर से मारपीट और एक लाख की चौथ मांगने का आरोप, सात के खिलाफ मुकदमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना क्षेत्र के प्रमुख दानघाटी मंदिर में रिसीवर के साथ मारपीट और चौथ मांगने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर थाना पुलिस ने सात नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मंदिर रिसीवर ललित शर्मा ने आरोप लगाया है कि 15 जून को रमाकांत कौशिक अपने साथियों सीताराम, धीरज, मथुरादास, त्रिलोकी, राजकुमार और सतीश के साथ मंदिर कार्यालय में पहुंचे और उनसे एक लाख रुपये की चौथ मांगने लगे। ललित शर्मा के अनुसार, चौथ देने से इनकार करने पर आरोपियों ने मंदिर कार्यालय में ही उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट की। आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने उनकी जेब में रखे 50 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद आरोपियों ने पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी और वहां से चले गए। मामले में पीड़ित ने घटना के बाद थाना पुलिस से शिकायत की। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के समक्ष भी शिकायत दी गई, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश के बाद थाना पुलिस ने रमाकांत कौशिक, सीताराम, धीरज, मथुरादास, त्रिलोकी, राजकुमार और सतीश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों, आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। मामले में नामजद आरोपियों से भी पूछताछ की जा सकती है। वहीं आरोपी राजकुमार ने मामले में लगाए गए आरोपों को गलत और निराधार बताया है। उनका कहना है कि मंदिर से जुड़े विवाद और आंतरिक राजनीति के चलते उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने सभी आरोपों को खारिज करते हुए मामले को मंदिर की राजनीति से प्रेरित बताया है।

ब्यूटी सेमिनार में अभिनेत्रियों ने सिखाए मेकअप के हुनर, शानदार परफॉर्मेंस से बांधा गया समां

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। बदलते दौर में दुल्हनों को सजाने-संवारने के लिए मेकअप और ब्यूटी के क्षेत्र में लगातार नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इसी को लेकर मथुरा में आयोजित ब्यूटी सेमिनार में मुंबई की सेलिब्रिटी कलाकार एवं टीवी अभिनेत्रियों ने मेकअप आर्टिस्टों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी देकर उनके हुनर को निखारा। सेमिनार में मुंबई से पहुंचीं टीवी कलाकार लता सब्बरवाल एवं खुशी शेख ने अपने हाथों से मेकअप करके प्रतिभागियों को विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने दुल्हन के मेकअप, चेहरे की खूबसूरती को निखारने तथा आधुनिक मेकअप के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान मथुरा सहित आसपास के शहरों और कस्बों से बड़ी संख्या में मेकअप आर्टिस्टों ने भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया। अभिनेत्री लता सब्बरवाल ने मथुरा आने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि धार्मिक नगरी मथुरा में आकर उन्हें बेहद अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि वह ब्रजभूमि में बार-बार आना चाहेंगी। उन्होंने सभी ब्रजवासियों को प्रेमपूर्वक 'राधे-राधे' कहा। वहीं खुशी शेख ने कहा कि वह मुंबई से मथुरा आई हैं और इस कार्यक्रम में महिलाओं एवं मेकअप आर्टिस्टों को मेकअप से जुड़ी विभिन्न जानकारियां देने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को अपने काम में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग करने में काफी मदद मिलेगी। सेमिनार के दौरान खुशी शेख ने कई लोकप्रिय गीतों पर शानदार परफॉर्मेंस दी। उनकी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेकअप प्रशिक्षण के साथ मनोरंजन से भरपूर कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया और सेमिनार का समापन उत्साहपूर्ण माहौल मे सम्पन्न हुआ।

एसपी ने गौरीशंकर मंदिर और कांवड़ मार्गों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार और कांवड़ यात्रा को लेकर सोमवार को पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। पुलिस अधीक्षक ने गौरीशंकर मंदिर, शाही चौकी समेत जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों और संवेदनशील स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़, कांवड़ मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग स्थल, कंट्रोल प्वाइंट, सीसीटीवी

कैमरों और यातायात व्यवस्था को परखा गया। इसके अलावा प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता, आपातकालीन सेवाओं और खोया-पाया केंद्र की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली गई। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कर जहां आवश्यक हो, वहां तत्काल सुधार कराने के निर्देश दिए।

एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के साथ विनम्र एवं संवेदनशील व्यवहार किया जाए। भीड़ प्रबंधन और यातायात संचालन पर विशेष ध्यान रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लगातार प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कांवड़ मार्गों पर पैदल गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं पर कड़ी नजर रखने तथा सभी ड्यूटी प्वाइंटों पर सतर्कता बनाए रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं से संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं से सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से जलाभिषेक करने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों, मंदिरों और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और अन्य माध्यमों से लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और कांवड़ यात्रा सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

सावन के दूसरे सोमवार पर सतेन्द्र मौर्य ने कांवड़ियों का किया स्वागत, फल व जलपान किया वितरित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। पवित्र सावन माह के दूसरे सोमवार के अवसर पर 127 विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र में कांवड़ यात्रियों के स्वागत और सेवा के लिए विशेष आयोजन किया गया। ब्लॉक लालौरीखेड़ा के पास रोड पर पंडाल लगाकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सतेन्द्र मौर्य ने कांवड़ियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ लेकर गुजर रहे शिवभक्तों को रोककर फल, पानी एवं जलपान वितरित किया और उनकी सेवा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सावन के दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में कांवड़िए विभिन्न मार्गों से होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे थे। कांवड़ियों की सेवा के लिए लगाए गए सेवा शिविर में श्रद्धालुओं के लिए जलपान एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। सतेन्द्र मौर्य ने स्वयं कांवड़ियों को फल और पानी वितरित कर उनका स्वागत किया। इस दौरान शिवभक्तों में भी उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के सम्मानित नेताओं एवं कार्यकताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिला उपाध्यक्ष रूपराम कश्यप, 127 विधानसभा अध्यक्ष हाजी इम्तियाज अल्वी, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष निरंजन गंगवार, नगर उपाध्यक्ष अशोक सैनी सहित देवकुमार मौर्य, पवन मौर्य, पंकज मौर्य आदि ने कांवड़ियों की सेवा में सहयोग किया।इस अवसर पर सतेन्द्र मौर्य ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और सेवा का पर्व है। कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्त आस्था और श्रद्धा के साथ कठिन यात्रा करते हैं। ऐसे में उनकी सेवा करना और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी कार्यकताओं की ओर से आगे भी जनसेवा और धार्मिक यात्राओं में सहयोग का कार्य जारी रहेगा। सेवा शिविर के दौरान कांवड़ियों के स्वागत के साथ-साथ उनके लिए पेयजल और जलपान की पर्याप्त व्यवस्था की गई।

प्रसूता की प्रसव के बाद हुई मौत से सनसनी

प्रसूता महिला की मौत के बाद परिजनों में स्वास्थ व्यवस्था के खिलाफ आक्रोश

दिनेश नेगी/वेलकम इंडिया

बागेश्वर। गरुड़ तहसील के सेलाबगड़ गांव निवासी प्रसूता की प्रसव के बाद तबीयत बिगड़ने से अत्यधिक रक्तस्राव के चलते मौत हो गई। महिला ने सीएचसी बैजनाथ में स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया था।वही बच्चे के जन्म होते ही परिजन खुश थे, वही बेटा होने पर परिवार का चिराग पैदा होने की खुशी को अपने परिजनों और रिश्तेदारों को बता रहे थे, वही रिश्तेदार बधाईया भी दे रहे थे। पर अचानक प्रसूता महिला को अत्यधिक रक्तस्राव होने पर महिला की हालत बिगड़ने लगी। चिकित्सको ने महिला को बचाने का प्रयास किया पर चिकित्सकों ने रक्तस्राव नही रुकने के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रसूता महिला की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने स्वास्थ

विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए प्रसूता महिलाओं के सुरक्षित प्रसव और जच्चा बच्चा सुरक्षित करने हेतु होने वाले प्रयासों पर उचित तरीके से पालन नही किए जाने और लापरवाही बरते जाने से प्रसूता की मौत होने के आरोप लगाए। जिला अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार रविवार शाम सेलाबगड़ निवासी भावना देवी पत्नी मुकेश रावत को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन सीएचसी बैजनाथ लाए। रात करीब सात बजे उसने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के करीब एक घंटे बाद महिला को अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा और उसकी हालत बिगड़ गई। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान रात में महिला की मौत हो गई।

घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्राम प्रधान स्याली स्टेट चंदन सिंह फर्स्वाण ने स्वास्थ्य सेवाओं पर सवाल उठाते हुए उचित उपचार और संसाधनों की कमी का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने कहा कि पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। सीएचसी बैजनाथ की चिकित्सा अधिकारी डॉ. सपना प्रजापति ने बताया कि प्रसव के करीब एक घंटे बाद महिला की तबीयत बिगड़ने लगी थी। रेफर किए जाने के समय उसकी स्थिति स्थिर थी और वह बातचीत कर रही थी।

निजी अस्पताल में महिला की मौत पर भड़के परिजन

पीलीभीत। पीलीभीत के एक निजी अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान हुई एक महिला की मौत के बाद सोमवार को परिजन ने जिलाधिकारी कार्यालय पर जमकर हंगामा किया। परिजन ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और अस्पताल को सील करने की मांग की। इस दौरान कुछ परिजन ने पेट्रोल लेकर आत्मदाह का प्रयास भी किया, जिससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने उन्हें रोककर स्थिति संभाली। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीसी पंत परिजनों से वार्ता करने पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। माहौल गरमा गया और कुछ परिजन पेट्रोल की बोतल लेने के लिए दौड़ पड़े। पुलिस ने तुरंत उन्हें रोका। हंगामे के बाद जिलाधिकारी अपने कार्यालय में चले गए। इसके बाद परिजन ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे।

शारदा नदी का रौद्र रूप, 300 मीटर पहुंचा कटान, किसानों ने दिया भूख हड़ताल का अल्टीमेटम

वेलकम इंडिया संवाददाता

हजारा/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र के ग्राम हजारा और शास्त्रीनगर में शारदा नदी का भीषण भू-कटान लगातार किसानों के लिए मुसीबत बना हुआ है। पिछले करीब 12 दिनों से जारी कटान के चलते अब तक लगभग 24 किसानों की 60 एकड़ से अधिक उपजाऊ भूमि और फसलें नदी की चपेट में आ चुकी हैं। नदी अब ग्रामीण आबादी से महज 300 मीटर की दूरी पर पहुंच गई है। इससे ग्रामीणों में भय और प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। वहीं धनाराघाट पर करीब 269 करोड़ रुपये की लागत से निमार्णाधीन पुल पर भी कटान का खतरा मंडरा रहा है।कटान से परेशान सैकड़ों किसानों और महिलाओं ने रविवार को एकजुट होकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि तत्काल झाड़ी-फाड़ी, बल्ली पाइलिंग और पक्के ठोकर सहित प्रभावी कटानरोधी कार्य शुरू नहीं कराया गया तो मंगलवार से किसान अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने के लिए मजबूर होंगे। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम प्रधान मनोज सिंह के नेतृत्व में किसानों का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह से मिला। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व ग्राम प्रधान शास्त्रीनगर वशिष्ट मौर्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य नंद किशोर, राजकिशोर, राकेश यादव, रामचंद्र मौर्य, लालाराम, फूलचंद, राधेश्याम कुशवाहा, रामभरोसे लाल, प्रभु सिंह, अमरजीत गौतम, सुंदर लाल, धनेश और सुरेश सहित कई किसान शामिल रहे।किसानों ने जिलाधिकारी को शारदा नदी के लगातार बढ़ते कटान और उससे उत्पन्न खतरे की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने किसानों से फोन पर वार्ता कर मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कटानरोधी बचाव कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा किसानों और जनप्रतिनिधियों की उपजिलाधिकारी पूरनपुर मयंक गोस्वामी से भी वार्ता हुई। एसडीएम ने जल्द ठोस कदम उठाने, बचाव कार्य शुरू कराने तथा पूर्व में कट चुकी जमीन के मुआवजे की प्रक्रिया में कार्रवाई का भरोसा दिलाया।ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2025 में कटान से प्रभावित करीब 200 से 250 एकड़ भूमि का मुआवजा भी अभी तक किसानों को नहीं मिला है। ऐसे में अब उनकी नजर प्रशासन के आश्वासन के बाद धरातल पर शुरू होने वाले बचाव कार्य पर टिकी है। किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि मंगलवार तक कटानरोधी कार्य शुरू नहीं हुआ तो वे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे।

बहू-बेटी सम्मेलन में महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक, साइबर अपराध से बचाव की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत सोमवार को थाना नवाबगंज की मिशन शक्ति टीम ने ग्राम ब्रह्मौली में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया। पुलिस टीम ने उन्हें सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देते हुए किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल पुलिस की मदद लेने के लिए जागरूक किया।

सम्मेलन के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव और साइबर सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध के मामले बढ़ रहे हैं, ऐसे में किसी अनजान व्यक्ति के साथ मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी, पासवर्ड या अन्य निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए भी जागरूक किया गया।

महिलाओं एवं बालिकाओं को दहेज हत्या, आत्महत्या की रोकथाम तथा नए आपराधिक कानूनों के संबंध में भी जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, हिंसा, धमकी या शोषण की स्थिति में चुप रहने के बजाय पुलिस से संपर्क करें। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को शासन की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102/108 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क किया जा सकता है। मिशन शक्ति टीम ने सम्मेलन के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की समस्याओं को भी सुना तथा उनकी बातों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक सहायता का भरोसा दिलाया। महिलाओं को थाना नवाबगंज में स्थापित महिला हेल्प डेस्क की जानकारी दी गई। इसके साथ ही मिशन शक्ति प्रभारी के सीयूजी नंबर 9454407329 के बारे में भी बताया गया, ताकि जरूरत पड़ने पर महिलाएं सीधे संपर्क कर सकें।

पुलिस टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं से कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान पुलिस की प्राथमिकता है। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस टीम ने महिलाओं से अपील की कि वे स्वयं जागरूक होने के साथ अपने आसपास की अन्य महिलाओं और बालिकाओं को भी उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करें।

कांवड़ यात्रियों पर हुई पुष्पवर्षा, राजकुमार 'राजू' ने किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र 129 पूरनपुर के ग्राम चंदोखा में द्वितीय सोमवार के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विधानसभा क्षेत्र 129 पूरनपुर के राजकुमार 'राजू'।त्रा की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समर्थक और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रियों के चंदोखा पहुंचने पर माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। राजकुमार 'राजू' ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा करते हुए उनका अभिनंदन किया। 'हर हर महादेव' और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। स्थानीय लोगों ने भी कांवड़ यात्रियों की सेवा में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। इस अवसर पर राजकुमार 'राजू' ने कहा कि सावन का पवित्र महीना भगवान भोलेनाथ की आराधना और आस्था का पर्व है। कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक आस्था, परंपरा और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। दूर-दराज से पैदल चलकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए आने वाले कांवड़ यात्रियों की सेवा और सम्मान करना सभी के लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने कहा कि श्रद्धा, सेवा और सद्भाव ही समाज की वास्तविक पहचान है। सभी लोगों को एक-दूसरे की आस्था और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए पर्व एवं धार्मिक आयोजनों में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए हरसंभव सहयोग करें तथा आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखें। राजकुमार 'राजू' ने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की कि सभी कांवड़ यात्रियों की यात्रा निर्विघ्न, सुरक्षित और मंगलमय हो तथा सभी श्रद्धालु अपने गंतव्य तक सकुशल पहुंचें।इस दौरान जितेंद्र वर्मा, ओम शर्मा, जिला पंचायत सदस्य ओंकार भारती, इंद्रजीत वर्मा, राजेश वर्मा, सियाराम वर्मा, डॉक्टर साहब बक्स, जयराम वर्मा, गोपाल वर्मा सहित बड़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर 2000 बच्चों को खिलाई एल्बेंडाजोल की गोली

स्वस्थ बचपन के लिए स्वच्छता और कृमि संक्रमण से बचाव का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर सोमवार को रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वास्थ्य विभाग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत कृमि मुक्ति अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विद्यालय के करीब 2000 छात्र-छात्राओं को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर कृमि संक्रमण से बचाव का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. दुष्यंत ने बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। कृमि संक्रमण के कारण बच्चों में कमजोरी, पेट दर्द, भूख में कमी तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे में समय-समय पर कृमिनाशक दवा का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।उन्होंने विद्यार्थियों से साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, भोजन करने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन का सेवन करने की अपील की। साथ ही बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चों को स्वस्थ रखने और उनके बेहतर शारीरिक विकास के लिए कृमि संक्रमण से बचाव आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई दवा का सेवन करने के साथ ही स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन आशीष जौहरी ने किया। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। इस दौरान विद्यार्थियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। विद्यालय में आयोजित अभियान में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्वास्थ्य विभाग और विद्यालय प्रशासन के प्रयासों से करीब 2000 बच्चों ने एल्बेंडाजोल की गोली का सेवन किया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

कांवड़ियों की सुरक्षा को प्रशासन मुस्तैद, एसडीएम- तहसीलदार ने परखी व्यवस्थाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। सावन माह में कांवड़ यात्रा को देखते हुए तहसील प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। सोमवार को उपजिलाधिकारी मयंक गोस्वामी एवं तहसीलदार आशीष कुमार गुप्ता ने इक्कोतरनाथ मंदिर और धनारा घाट पहुंचकर कांवड़ यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारु आवागमन को लेकर मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार भी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए राजस्व निरीक्षकों और लेखपालों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी अपने-अपने निर्धारित ड्यूटी स्थलों पर समय से पहुंचें और यात्रा के दौरान लगातार निगरानी बनाए रखें। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए गए।इक्कोतरनाथ मंदिर एवं धनारा घाट पर प्रशासनिक अधिकारियों ने भीड़ प्रबंधन, आवागमन, श्रद्धालुओं की सुविधा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनका आवागमन सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से हो, इसके लिए मौके पर तैनात कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया।प्रशासनिक निगरानी के बीच कांवड़ यात्रियों को समय से रवाना कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ बढ़ने की स्थिति में व्यवस्थाओं को तत्काल नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए संबंधित कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।तहसील प्रशासन द्वारा कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों की सक्रियता से कांवड़ मार्गों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत दिखाई दे रही है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी सहयोग बनाए रखने और निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप यात्रा करने की अपील की है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में दिल्ली में जुटे साधु-संत, प्रधानमंत्री से सख्त कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के विरोध में सोमवार को देशभर से बड़ी संख्या में साधु-संत दिल्ली में एकत्रित हुए। 100 से अधिक संत-महंत और महामंडलेश्वर बाराखंबा रोड स्थित नेपाली दूतावास के पास जुटे और मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक अपनी मांग पहुंचाने के लिए ज्ञापन सौंपने की बात कही। प्रदर्शन में शामिल इंद्रप्रस्थ पीठ के संत जगद्गुरु स्वामी रामानुजाचार्य ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े मामले ने संत समाज को आहत किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि मंदिर ट्रस्ट से जुड़े जिन लोगों की भी इस मामले में संलिप्तता सामने आती है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और दोषियों को जेल भेजा जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना से संत समाज की प्रतिष्ठा प्रभावित होती है और सनातन धर्म को भी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि मामले में किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए और न ही किसी को बचाने का प्रयास होना चाहिए। संत समाज चाहता है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। संतों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का विवाद खड़ा करना नहीं, बल्कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग को सरकार तक पहुंचाना है। प्रदर्शनकारियों की योजना प्रधानमंत्री आवास की ओर जाने और अपना ज्ञापन सौंपने की थी, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं होने के कारण उन्हें मंडी हाउस से आगे जाने की अनुमति नहीं दी। पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद साधु-संतों ने कानून का पालन करते हुए वहीं अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में मौजूद संतों ने कहा कि वे प्रधानमंत्री तक अपनी बात पहुंचाना चाहते थे और प्रदर्शन के माध्यम से उनकी मांग सरकार तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि उनका आंदोलन न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों को निर्धारित क्षेत्र से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाते रहे।

इस दौरान प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सांसद पप्पू यादव भी मौके पर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने राम मंदिर से जुड़े चढ़ावे के मामले में पारदर्शी जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग दोहराई। संतों ने कहा कि धार्मिक संस्थानों की गरिमा और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। संत-महंतों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य कानून-व्यवस्था को प्रभावित करना नहीं है। वे चाहते हैं कि सरकार मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराए और जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

राजातालाब में 'तिरंगा यात्रा युवाओं के साथ' का शुभारंभ, भारत माता के जयघोष से गूंजा क्षेत्र

वाराणसी (वेलकम इंडिया)। सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के राजातालाब मंडल में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 'तिरंगा यात्रा युवाओं के साथ' का शुभारंभ राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति के उत्साह के बीच हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भाग लिया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। तिरंगा यात्रा के दौरान युवाओं ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। हाथों में लहराते तिरंगे के साथ कार्यकताओं और युवाओं ने देश के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना व्यक्त की। यात्रा को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल हुए और तिरंगा यात्रा का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ काशी क्षेत्र के क्षेत्र संयोजक डॉ. अशोक राय, अरविंद प्रधान, प्रेम प्रकाश पाठक, यतीश तिवारी, प्रवीण सिंह, संदीप सिंह मिंटू और वीरेंद्र पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज और देश के गौरव से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और तिरंगा यात्रा जैसे आयोजन युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। वक्ताओं ने युवाओं से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश के गौरव, स्वतंत्रता और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक है।

जनसमस्याओं को लेकर भाकियू भानू का हल्लाबोल, जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। किसानों, ग्रामीणों और आम जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने सोमवार को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी पूरनपुर को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने जनहित से जुड़े मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की ज्ञापन में कहा गया कि जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा किसानों एवं पत्रकारों के फोन नहीं उठाए जाने को लेकर किसानों में गहरा आक्रोश है। संगठन ने कहा कि जनहित के मामलों में अधिकारियों और जनता के बीच संवाद बेहद जरूरी है। किसानों का कहना है कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर उन्हें कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। भाकियू ने जिलाधिकारी से सीएमओ को जनसुनवाई के साथ किसानों एवं मीडिया से संवाद बनाए रखने के निर्देश देने की मांग की। इसके अलावा पूरनपुर क्षेत्र में नशीले पदार्थों के कारोबार और अवैध बिक्री का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार का युवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पुलिस एवं प्रशासन को अभियान चलाकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई ज्ञापन में गड़वा खेड़ा क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी से ग्रामीणों में व्याप्त भय का भी मामला उठाया गया। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग और संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर भेजकर निगरानी बढ़ाने तथा बाघ से बचाव के आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। वहीं पूरनपुर के सिरसा चौराहे पर सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइटें रात के समय बंद रहने से राहगीरों और वाहन चालकों को हो रही परेशानी का भी उल्लेख किया गया। संगठन ने संबंधित विभाग को लाइटों की जांच कर उन्हें तत्काल चालू कराने के निर्देश देने की मांग की। भाकियू भानू ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान कराने की मांग की।

सावन में द्वादश ज्योतिर्लिंग और चार धाम यात्रा पर निकले महादेव जी सरकार फाउंडेशन के निदेशक हर्षित राय और अरुण कुमार

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। महादेव जी सरकार फाउंडेशन के निदेशक हर्षित राय और अरुण कुमार पवित्र द्वादश ज्योतिर्लिंग एवं चार धाम यात्रा पर निकले हैं। विशेष बात यह है कि उन्होंने देवाधिदेव महादेव को समर्पित पावन सावन माह में द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दोनों देश के विभिन्न पवित्र तीर्थस्थलों, सिद्ध स्थानों, दिव्य गिरनार पर्वत सहित अनेक आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्थलों की यात्रा कर रहे हैं। यात्रा के दौरान हर्षित राय और अरुण कुमार विभिन्न संत-महात्माओं से भी मिल रहे हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इसके माध्यम से वे भारत की समृद्ध आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को करीब से समझने के साथ उसके संरक्षण और सेवा का संदेश भी लोगों तक पहुंचा रहे हैं। महादेव जी सरकार फाउंडेशन की ओर से लगभग पांच वर्षों से जारी भारत यात्रा अब अपने पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। फाउंडेशन के अनुसार इस यात्रा का उद्देश्य केवल तीर्थस्थलों के दर्शन करना नहीं है, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, प्रकृति, मानवता और जीव-जगत के प्रति सेवा एवं संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना भी है। फाउंडेशन प्रकृति संरक्षण, जरूरतमंद लोगों की सेवा, पशु-पक्षियों की रक्षा एवं सेवा तथा धर्म और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। संस्था का मानना है कि एक भव्य और दिव्य भारत का निर्माण तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति, मानवता, जीव-जंतुओं और अपनी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझे और उसके संरक्षण में अपनी भूमिका निभाए। हर्षित राय और अरुण कुमार ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक विरासत पूरे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत है। देश के विभिन्न तीर्थस्थलों की यात्रा के दौरान उन्हें संत-महात्माओं का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से लोगों को सेवा, सद्भाव, प्रकृति संरक्षण और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने देशवासियों से इस सेवा और जनकल्याण के अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने समय, सामर्थ्य, सहयोग और सकारात्मक प्रयासों के माध्यम से समाज और देश के विकास में योगदान दे सकता है। सामूहिक प्रयासों से भारत को अधिक भव्य, दिव्य, संस्कारवान और सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सावन के पावन माह में महादेव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों का आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ सेवा, प्रकृति संरक्षण, पशु-पक्षियों की रक्षा और धर्म-संस्कृति की रक्षा का संकल्प लिया गया है। फाउंडेशन का प्रयास है कि यह संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे और समाज में सेवा एवं संरक्षण की भावना मजबूत हो। हर्षित राय और अरुण कुमार ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए प्रकृति, मानवता और जीव-जगत की सेवा के लिए आगे आएं तथा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से ही एक भव्य, दिव्य और संस्कारवान भारत का निर्माण संभव है।

डॉ. शुभम कुमार सेठ ने की साध्वी निरंजन ज्योति से भेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। दिल्ली में श्री हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज वाराणसी के पूर्व छात्रसंघ महामंत्री एवं भाजपा नेता डॉ. शुभम कुमार सेठ ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति से उनके निजी कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान समसामयिक विषयों के साथ सामाजिक एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से सार्थक चर्चा हुई। विशेष रूप से स्वर्णकार समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के साथ पिछड़े समाज के सर्वांगीण विकास को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

मुलाकात के दौरान समाज के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और बेहतर अवसरों से जोड़ने के विषय पर भी चर्चा हुई। डॉ. शुभम कुमार सेठ ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। बैठक में पिछड़े वर्गों के अधिकारों और हितों को मजबूत करने तथा सामाजिक विकास में उनकी अधिक प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार साझा किए गए।

स्वर्णकार समाज की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को मजबूत करने, युवाओं के लिए शिक्षा एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा समाज के जरूरतमंद वर्गों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने को लेकर भी चर्चा हुई। डॉ. शुभम कुमार सेठ ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर उपलब्ध कराना और पिछड़े वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जाने पर जोर दिया। इस दौरान डॉ. शुभम कुमार सेठ ने साध्वी निरंजन ज्योति के मार्गदर्शन और बहुमूल्य समय के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज और जनहित से जुड़े विषयों पर हुई यह मुलाकात सकारात्मक रही तथा इससे सामाजिक विकास के विभिन्न पहलुओं को लेकर आगे भी सार्थक प्रयासों को गति देने में मदद मिलेगी।

गैंगस्टर एक्ट में जेल में बंद आरोपी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शाहजहांपुर के कलान थाना क्षेत्र में गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल में बंद आरोपी को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने मामले की सुनवाई करते हुए 6 अगस्त 2026 को यह आदेश पारित किया। आरोपी 22 जून 2026 से जेल में बंद था। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता जया अग्रहरी और ऋषभ पाण्डेय ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि गैंगचार्ट में दर्शाए गए तीनों मामलों में आरोपी पहले से ही जमानत पर है। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि पुलिस रंजिश के चलते आरोपी को गैंगस्टर एक्ट के मामले में फंसाया गया है। अधिवक्ताओं ने अदालत से आरोपी को जमानत का लाभ दिए जाने की मांग की। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने आरोपी को व्यक्तिगत बंधपत्र और दो जमानतदार प्रस्तुत करने की शर्त पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत ने जमानत के साथ यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी मुकदमे से संबंधित साक्ष्यों के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेगा और सुनवाई के दौरान निर्धारित तिथियों पर अदालत में उपस्थित रहेगा। हाईकोर्ट के आदेश के बाद आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने पर आरोपी की जेल से रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

रोटरी क्लब वाराणसी नॉर्थ का धूमधाम से मनाया गया 36वां स्थापना दिवस

वाराणसी (वेलकम इंडिया)। रोटरी क्लब ऑफ वाराणसी नॉर्थ की ओर से रोहनिया स्थित लेमन ट्री होटल में क्लब का 36वां स्थापना दिवस धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्लब के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों, सदस्यों और अतिथियों ने भाग लिया। इस दौरान क्लब की वर्षों की सेवा यात्रा को याद करते हुए पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया और उनके कार्यकाल में किए गए सामाजिक कार्यों की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत एनएन दुबे द्वारा वर्तमान सत्र के अध्यक्ष अशोक सुल्तानिया को रोटरी कॉलर पहनाने के साथ हुई। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की। मंच पर उपस्थित सभी सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। अध्यक्ष अशोक सुल्तानिया ने मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष पूनम गुलाटी, सह मंडल अध्यक्ष अविनाश मेहरोत्रा, पूर्व मंडल अध्यक्षों, सह मंडल अध्यक्षों और अन्य अतिथियों का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

क्लब के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष सुरेश खंडेलवाल ने रोटरी क्लब वाराणसी नॉर्थ की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने क्लब द्वारा विभिन्न वर्षों में किए गए सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों की जानकारी दी और संस्था के विकास के दौरान आए उतार-चढ़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि क्लब ने अपने 36 वर्षों के सफर में सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर योगदान देने का प्रयास किया है। स्थापना दिवस समारोह में क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ. संजीव शर्मा, गणेश अग्रवाल, डॉ. शिवजी गुप्ता, एनके द्विवेदी, अतुल जायसवाल, डॉ. अनिल कुमार राय, डॉ. नीलम गुप्ता, राजेश भार्गव, एनएन दुबे, इंद्रसेन सिंह, शैलेंद्र श्रीवास्तव, सतीश जैन, डॉ. रोहित गुप्ता, डॉ. राकेश जायसवाल, रत्नेश जैन, नीरज अग्रवाल एवं रुचि भार्गव को सम्मानित किया गया। उनके कार्यकाल के दौरान क्लब की ओर से किए गए प्रमुख कार्यों और सेवा गतिविधियों की जानकारी भी कार्यक्रम में साझा की गई।

इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष बीडी गुजराती, हरि मोहन सहाय, संजय अग्रवाल तथा एजी प्रशांत नागर और क्लब के सह मंडल एवं जिला गवर्नर रीजनल हेड संजय गुप्ता ने भी सभा को संबोधित किया। वरिष्ठ सदस्य सीके त्रिवेदी और सचिव डॉ. राकेश जायसवाल ने सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान समारोह के बाद कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। पूर्व अध्यक्षों ने नृत्य की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। क्लब के अन्य सदस्यों ने भी गायन और नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने स्थापना दिवस समारोह को यादगार बना दिया और सभागार में मौजूद सदस्यों ने प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन रोली अग्रवाल एवं अतुल भालोटिया ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में दीपक माहेश्वरी, सपना खंडेलवाल, वर्षा श्रीवास्तव, हर्ष अग्रवाल, वंदना गुप्ता, डॉ. डॉली श्रीवास्तव, सुभाष जैन, अरविंद जायसवाल, डॉ. अनूप मिश्र, जगदीश राय, डॉ. राजीव शुक्ला, मनीष अग्रवाल, डॉ. राकेश मोहन, चित्रा मिश्र, राकेश रस्तोगी, सीमा शुक्ला, स्वाति अग्रवाल, वंदना जायसवाल, संजीव बोस, विनोद गुप्ता, एसके अग्रवाल, राधा अग्रवाल, शिवि राय, डॉ. मोनिशा सिंह सहित क्लब के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में 'हम' के बिना नहीं बनेगी किसी दल की सरकार, 125 सीटों पर पार्टी तय करेगी सत्ता की चाबी : रघु मिश्रा

पटना में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में यूपी अध्यक्ष ने रखा संगठन विस्तार का रोडमैप, संतोष कुमार सुमन और जीतन राम मांझी के लगातार दौरे का ऐलान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पटना/वाराणसी। पटना के एक होटल में आयोजित हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रघु मिश्रा ने प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य को लेकर पार्टी की रणनीति सामने रखी। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की करीब 125 विधानसभा सीटों पर ब्राह्मण, मांझी, बिंद और निषाद मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं और इन सीटों पर पार्टी मजबूत स्थिति बनाकर आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता की चाबी अपने हाथ में ले सकती है। बैठक की शुरूआत में रघु मिश्रा ने मंच पर मौजूद पार्टी के मुख्य संरक्षक एवं केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी, राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन, बिहार प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री डॉ. अनिल सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कमाल परवेज, विधायकों, विभिन्न आयोगों के उपाध्यक्षों तथा देशभर से पहुंचे प्रतिनिधियों और कार्यकताओं का स्वागत किया।

अपने संबोधन में रघु मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन इस समय बेहद महत्वपूर्ण दौर से गुजर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की लगभग 125 विधानसभा सीटों पर ब्राह्मण, मांझी, बिंद और निषाद मतदाताओं की संख्या और प्रभाव इतना महत्वपूर्ण है कि इन सीटों के परिणाम सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मांझी, बिंद और निषाद समाज की बड़ी आबादी है और इन वर्गों के बीच जीतन राम मांझी के प्रति विश्वास है। रघु मिश्रा ने आरोप लगाया कि अब तक इन वर्गों के नाम पर राजनीति करने वाले दलों और नेताओं ने उन्हें अपेक्षित प्रतिनिधित्व और सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा उत्तर प्रदेश में इन वर्गों के साथ-साथ अन्य समाजों को भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से संगठन का विस्तार कर रहा है। रघु मिश्रा ने कहा कि यदि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन के नेतृत्व में पार्टी उत्तर प्रदेश में मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरती है तो विधानसभा और उच्च सदन में पार्टी अपना प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकताओं को बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाने के लिए तैयार किया जा रहा है। ब्राह्मण समाज का उल्लेख करते हुए रघु मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के पारंपरिक राजनीतिक दलों से ब्राह्मण समाज में उपेक्षा की भावना है। उन्होंने दावा किया कि हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा ने उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी एक ब्राह्मण नेता को सौंपकर समाज को राजनीतिक सम्मान देने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करेगी।

रघु मिश्रा ने कहा कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की राजनीति में हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में सरकार बनाने के लिए किसी भी राजनीतिक दल को 'हम' के सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी और पार्टी आगामी चुनाव में अपनी राजनीतिक ताकत के आधार पर सत्ता की चाबी तय करने की स्थिति में होगी। बैठक के अंत में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार सुमन ने उत्तर प्रदेश में संगठन के व्यापक विस्तार की घोषणा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे स्वयं प्रदेश के विभिन्न हिस्सों का दौरा करेंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं के साथ संवाद करेंगे। पार्टी के मुख्य संरक्षक एवं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के भी उत्तर प्रदेश में लगातार कार्यक्रम और जनसभाएं आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार के साथ कार्यकताओं को सक्रिय किया जाएगा और प्रदेश के विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच जनसंपर्क बढ़ाया जाएगा। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उत्तर प्रदेश को लेकर सामने आई रणनीति से स्पष्ट है कि हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा आगामी चुनाव में प्रदेश की राजनीति में अपनी स्वतंत्र भूमिका बनाने की तैयारी में जुट गया है।

चेयरमैन विनोद वैशाली ने कांवड़ सेवा शिविरों का निरीक्षण कर शिवभक्तों का किया स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्रावण मास में शिवभक्ति एवं सेवा के पावन वातावरण के बीच नगर पालिका परिषद मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली ने नगर पालिका के सम्मानित सभासदों एवं कार्यकताओं के साथ मोदीनगर क्षेत्र में संचालित विभिन्न कांवड़ सेवा शिविरों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पदयात्रा करते हुए सभी प्रमुख शिविरों का भ्रमण किया, व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा शिवभक्त कांवड़ियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन विनोद वैशाली ने शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, विश्राम स्थलों एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने सेवा कार्यों में समर्पित भाव से जुटे स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों एवं नगर पालिका कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि कांवड़ियों की सेवा भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है और इस पुण्य कार्य में योगदान देना सौभाग्य की बात है। शिविर भ्रमण के दौरान उन्होंने प्रत्येक शिविर में स्थापित भगवान भोलेनाथ के पावन स्वरूप के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में शिवभक्तों की सेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि आस्था, श्रद्धा और मानवता की सेवा का अनुपम अवसर है। इस अवसर पर चेयरमैन विनोद वैशाली ने कहा कि नगर पालिका परिषद मोदीनगर कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नगर पालिका की टीम निरंतर सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में लगी हुई है ताकि शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि सभी शिवभक्तों की यात्रा मंगलमय, सुरक्षित एवं सकुशल पूर्ण हो तथा भगवान शिव की कृपा से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि का वातावरण बना रहे। इस दौरान नगर पालिका परिषद के सभासदगण संदीप सांगवान, आदित्य बॉबी, बलराज गुज्जर, अर्जुन नेहरा, गोल्डी नेहरा, अनुज गुप्ता, उमंग दहिया, अमित कराटे, अरुण खन्ना, हेमंत पालीवाल, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीड़ित दीपा कश्यप से मिला समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल, न्याय की मांग को लेकर दिया समर्थन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर क्षेत्र में कश्यप समाज की बेटी दीपा कश्यप एवं उनकी माता के साथ हिंदू रक्षा दल की विधानसभा अध्यक्ष सपना अग्रवाल एवं उनके पति पंकज कंसल द्वारा गोकशी का झूठा आरोप लगाकर कथित रूप से मारपीट एवं दुर्व्यवहार किए जाने के मामले में पीड़िता दीपा कश्यप का उपचार जिला एमएमजी अस्पताल, घंटाघर, गाजियाबाद में चल रहा है। समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट एवं महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी, गाजियाबाद का एक प्रतिनिधिमंडल जिला एमएमजी अस्पताल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित दीपा कश्यप एवं समाजसेवी पंकज कश्यप से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा घटना की पूरी जानकारी प्राप्त की। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि किसी भी महिला अथवा नागरिक के साथ मारपीट, अभद्रता एवं झूठे आरोप लगाकर उसे अपमानित करना अत्यंत गंभीर विषय है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा एवं न्याय मिलना चाहिए।

गंगाजल लेकर आ रहे कांवडियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर मोदी शुगर मिल के निकट भाजपा के जिला महामंत्री देवेंद्र चौधरी एवं उनके साथियों द्वारा शिव भक्त कांवडियों की सेवा में लगाए गए कांवड सेवा शिविर में गंगाजल लेकर आ रहे कांवडियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शिविर में शिव भक्त कांवडियों खाने रहने व चिकित्सा की व्यवस्था में आयोजकों की टीम दिन रात लगी है। इस मौके भाजपा जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह, पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन चौधरी, भाजपा नगर अध्यक्ष आकाश शर्मा, मनोज शर्मा, पूर्व सभासद मोहित तोमर, अनिल सेन, पिंकी चौधरी, नवीन जायसवाल, प्रमोद शर्मा, कृष्ण शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर के आयोजक देवेंद्र चौधरी ने बताया कि शिविर के माध्यम से शिव भक्तों की सेवा में लगे हुए हैं। शिविर में शिव भक्तों के आराम, चिकित्सा, खाने-पीने की व्यवस्था की गई है।

डाक कांवड़ ले जाने वाले कांवड़ियों का दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर रहा पूरा बोल बाला

हाजिरी का जल चढ़ाने को लेकर सुबह से ही शिवभक्तों का शिवालयों में तांता लगा रहा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सोमवार की सुबह डाक कांवड ले जाने वाले कांवड़ियों का मुख्य मार्ग पर पूरा बोल बाला रहा। यातायात व्यवस्था को देखते हुये कोई दुर्घटना ना घटे। सुबह से ही हाईवे पर प्रत्येक कट पर पुलिस बल तैनात रहा। छूटमूट दुर्घटनाओं के अलावा कोई बडी घटना सामने नही आई। हाजिरी का जल चढाने को लेकर सुबह से ही अधिकांश शिवभक्तों को शिवालयों में तांता लगा रहा। पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही।

बडे वाहनों पर बजते डीजे के धार्मिक गीतों के बीच डाक कांवड लेकर गंतव्य की ओर बढ रहे कांवडिये बोल बम बम बम के उद्घोषो के साथ बढते दिखे। मुख्य मार्ग के दोनो ओर डाक कावडियों का कारवां मंजिल की ओर बढता दिखा।

वही कांवड लेकर आये शिवभक्तों ने हाजिरी का जल चढाने को लेकर रात्रि में ही मंदिरो व धार्मिक स्थलों पर डेरा डाल दिया। सुबह हाजिरी का जल चढाने के लिये बस स्टैंड के समीप स्थित छत्री वाले शिव मंदिर पर शिवभक्तों का तांता लग गया,वही अधिकांश शिवभक्त अपने शिवालय पर जल चढाने के लिये गंतव्य स्थल पर पहुंच गये। जलाभिषेक को लेकर पुलिस की ओर से भी चाकचौबंद व्यवस्था रखी गयी हैं। दूसरी ओर निवाडी,पतला, सीकरी कलां, फरीदनगर,भादोला ,सीकरीखुर्द,खिंदौडा समेत दर्जनो स्थानो पर स्थित पुरातन मंदिर पर कांवडिए जल चढाने पहुंच गए।त्रियोदशी व चतुर्दशी का जल चढाने गंतव्य पर पहुंचे कांवडियों के स्वागत में गांव की महिलाये गीतों का गाकर उनके स्वागत में पहुंची। जगह जगह भंडारे का भी आयोजन किया गया। सुबह से ही एसीपी भास्कर वर्मा व थाना प्रभारी आनंद प्रकाश मिश्रा पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते दिखे। कांवड मार्ग से मुरादनगर मसूरी के एएसपी ने विभिन्न गांवो में मंदिरो की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

चार चोरी की बाइकों के साथ शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, 9 अगस्त को कोतवाली नगर पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गौरव त्यागी (32) पुत्र सतीश त्यागी, निवासी आश्रम रोड, त्यागी मार्केट, ठेके के सामने, थाना नंदग्राम, गाजियाबाद को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है।

पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

समाजसेवी स्वदेश जैन एवं उनकी टीम ने विशाल शिविर एवं भंडारे का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर गांव कदराबाद के निकट समाजसेवी वरिष्ठ भाजपा नेता स्वदेश जैन एवं उनकी टीम द्वारा शिव भक्त का कांवड़ियों की सेवा में विशाल शिविर एवं भंडारे का आयोजन किया गया। शिविर में शिव भक्त कांवड़ियों ने विश्राम किया और प्रसाद ग्रहण किया। विगत कई वर्षों से समाजसेवी स्वदेश जैन अपने साथियों के साथ दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग शिव भक्त भोलो की सेवा में कांवड सेवा शिविर एवं भंडारे का आयोजन करते आ रहे हैं।

स्वदेश जैन एवं उनकी टीम पूरे पांच दिन से रात दिन कांवड़ियों की सेवा में लगी रही। स्वदेश जैन ने बताया कि भोले बाबा की कृपा से मिली प्रेरणा के कारण वह भोले शिव कांवड़ियों की सेवा करते चले आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो सच्चे मन से शिव भक्त कांवड़ियों की सच्चे मन से सेवा करता है, भगवान उन पर असीम कृपा करते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा से जो आत्म संतोष मिलता है,उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। कांवडियों की सेवा में स्वदेश जैन विजेंद्र चौधरी राम भरोसे लाल मौर्य राकेश कर्दम ओमपाल सिंह मास्टर जी आदि शिव भक्त लग रहे। कावड सेवा शिविर एवं भंडारे में विधायक डॉ मंजू शिवाच, पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, पुलिस प्रशासन के अधिकारी के अलावा आकाश शर्मा अमित त्यागी संजीव अरोड़ा गौरव जैन सुगंध जैन आदि भक्तों ने भाग लिया।

चिपियाना बुजुर्ग में गूंजा 'हर-हर महादेव', विशाल कांवड़ पहुंचते ही भक्ति में डूबा गांव

हरिद्वार से गंगाजल लेकर पहुंची कांवड़ टीम का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत, आपसी एकता और सद्भाव का दिया संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गौतमबुद्ध नगर/नोएडा। सावन के पावन अवसर पर चिपियाना बुजुर्ग गांव में उस समय भक्तिमय माहौल बन गया, जब चिपियाना बुजुर्ग कांवड़ टीम हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर विशाल कांवड़ के साथ गांव पहुंची। कांवड़ियों के गांव में प्रवेश करते ही चारों ओर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष गूंज उठे। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ कांवड़ियों का स्वागत एवं सम्मान किया। विशाल कांवड़ के गांव पहुंचने पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने कांवड़ और कांवड़ियों के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए उनका तहेदिल से स्वागत किया। इस दौरान बच्चे, युवा और बुजुर्ग समेत बड़ी संख्या में लोग भोलेनाथ की भक्ति में लीन नजर आए। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सफल बनाने में चिपियाना बुजुर्ग के ग्रामीणों के साथ गाजियाबाद पुलिस प्रशासन, गौतमबुद्ध नगर पुलिस प्रशासन तथा उत्तर प्रदेश सरकार का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं, जिससे कांवड़ यात्रा सकुशल गांव तक पहुंच सकी। ग्रामीणों ने कहा कि कांवड़ यात्रा धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी सहयोग, सामाजिक एकता और सद्भाव का भी प्रतीक है। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पहुंची विशाल कांवड़ ने चिपियाना बुजुर्ग को पूरी तरह शिवमय कर दिया।

क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने राशन की दुकानों का किया निरीक्षण

व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के दिए निर्देश

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मोदीनगर (शहर) स्वेज पवार ने सोमवार को नगर क्षेत्र में विभिन्न राशन की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राशन वितरण व्यवस्था, अभिलेखों और उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जा रहे खाद्यान्न की स्थिति की जानकारी ली गई। अधिकारियों की ओर से संबंधित मामलों में कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया भी पूरी की गई। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने राशन डीलरों से वितरण व्यवस्था और अभिलेखों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने राशन डीलरों से कहा कि यदि उनके द्वारा नियमानुसार कार्य किया जा रहा है और अभिलेख व राशन का स्टॉक सही है तो किसी प्रकार की घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही स्वेज पवार ने राशन की दुकानों पर मौजूद उपभोक्ताओं से भी सीधे बातचीत की। उन्होंने जानकारी ली कि राशन डीलर उन्हें निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध करा रहे हैं या नहीं। उपभोक्ताओं से प्रति यूनिट मिलने वाले राशन की मात्रा और हर महीने राशन वितरण के संबंध में भी जानकारी ली गई। उन्होंने उपभोक्ताओं से कहा कि राशन वितरण में किसी प्रकार की समस्या या अनियमितता सामने आती है तो उसकी जानकारी विभाग को दी जा सकती है। इस दौरान उपभोक्ताओं को क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी का संपर्क नंबर और विभाग के टोल फ्री नंबर की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने कहा कि पात्र उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राशन वितरण व्यवस्था की नियमित रूप से जांच की जाएगी और अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार ने मोदीनगर क्षेत्र में लगे कांवड सेवा शिविरों का निरीक्षण किया और कांवडियों से शिविर में खान पान, विश्राम और चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी ली।

कांवड सेवा शिविर आयोजकों की व्यवस्था से उपजिलाधिकारी संतुष्ट नजर आई और व्यवस्था की सराहना की। उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार ने मोदीनगर, मुरादनगर एवं नगर पंचायत पतला क्षेत्र में शिव भक्त कांवडियों पर पुष्प वर्षा की।

कांवड़ियों के स्वागत में उमड़ा प्रशासन, पुलिस आयुक्त-विधायक और जीडीए ने किया अभिनंदन

जीडीए ने शिवभक्तों का किया भव्य स्वागत, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने बरसाए फूल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन मास में कांवड़ यात्रा के दौरान सोमवार को मेरठ रोड मननधाम के सामने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की ओर से शिवभक्तों के स्वागत एवं अभिनंदन के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर एक बजे से शाम 3:30 बजे तक चले कार्यक्रम में मेरठ रोड से गुजर रहे हजारों कांवड़ श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान पूरा मार्ग 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजता रहा। कार्यक्रम में मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, सदर विधायक संजीव शर्मा, पुलिस आयुक्त रविंद्र जे. गौड़, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, रीजनल पासपोर्ट ऑफिसर अनुज स्वरूप सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जीडीए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिवार के साथ यात्रा कर रहे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और डाक कांवड़ श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया। भगवान शिव की प्रतिमाओं और आकर्षक झांकियों के साथ गुजर रहे कांवड़ियों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कार्यक्रम स्थल पर फल, शीतल पेयजल एवं अन्य पेय पदार्थों की व्यवस्था की गई। अधिकारियों ने स्वयं शिवभक्तों को फल-पानी वितरित कर उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। शिवभक्तों का स्वागत एवं सेवा करना सौभाग्य की बात है। पुष्पवर्षा और सेवा-सत्कार से मेरठ रोड का माहौल पूरी तरह शिवमय हो उठा।

कांवड़ियों पर बरसे फूल, प्रसाद बांटकर बढ़ाया हौसला; पुलिस आयुक्त ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी लगातार जारी है। पुलिस आयुक्त महोदय ने श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचकर शिवभक्तों को प्रसाद वितरित किया और श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। इसके बाद श्री मननधाम मंदिर कांवड़ मार्ग पर पहुंचकर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया और सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन जोन श्री धवल जायसवाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर के समीप स्थापित कांवड़ शिविरों में पहुंचकर शिवभक्तों को प्रसाद वितरित किया। उन्होंने चिकित्सा शिविर में श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए प्राथमिक उपचार सामग्री भी वितरित की।

ऑपरेशन कन्विक्शन का असर: नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी को अदालत ने 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

थाना टीला मोड़ में दर्ज मामले में अर्जुन पुत्र सुभाष सिंह, निवासी फारुखनगर को धारा 4 पॉक्सो अधिनियम के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 366 भादवि के तहत पांच वर्ष के सश्रम कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, मुकदमे की प्रभावी पैरवी के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल ने लगातार मॉनिटरिंग की।

विवेचक उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह मलिक ने साक्ष्यों के आधार पर विवेचना पूरी कर कन्विक्शन सेल के साथ समन्वय बनाए रखा। वहीं विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) सतीश शर्मा ने न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी की। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट), कोर्ट संख्या-02, गाजियाबाद ने 10 अगस्त 2026 को मामले में फैसला सुनाते हुए अभियुक्त को दोषी करार दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर अपराधों में प्रभावी पैरवी कर दोषियों को सजा दिलाने का अभियान लगातार जारी है।

शिवरात्रि पर उमड़ेगा आस्था का सैलाब, नानकेश्वर महादेव मंदिर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पुलिस कमिश्नर व डीएम ने किया मंदिर का निरीक्षण, सीसीटीवी से लेकर पार्किंग तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ग्रेटर नोएडा। आगामी शिवरात्रि पर्व को लेकर पुलिस-प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए कमर कस ली है। पुलिस कमिश्नर, नोएडा ने जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के साथ थाना रबूपुरा क्षेत्र के भाईपुर स्थित प्रसिद्ध नानकेश्वर महादेव मंदिर का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के जलाभिषेक, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और सुगम आवागमन से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। सीसीटीवी कंट्रोल रूम, पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था और पार्किंग स्थलों का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। शिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए जलाभिषेक व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही मंदिर मार्गों पर यातायात सुचारु रखने, पार्किंग व्यवस्था बेहतर करने और सीसीटीवी के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी।

भाजपा की तिरंगा यात्राओं को लेकर संगठनात्मक बैठक, कार्यकर्ताओं को सौंपे गए दायित्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रभक्ति और वीर शहीदों के सम्मान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा गाजियाबाद महानगर की संगठनात्मक बैठक नवयुग मार्केट स्थित अन्नपूर्णा बैंक्विट हॉल में हुई। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में तिरंगा यात्राओं की तैयारियों और जनसहभागिता को लेकर रणनीति बनाई गई।

मयंक गोयल ने कहा कि भाजपा महानगर द्वारा 121 तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। महानगर के 100 वार्डों और 20 मंडलों में यात्राओं का आयोजन होगा। इसके अलावा महानगर स्तर पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। मुख्य यात्रा बजरिया स्थित गुरुद्वारा से शुरू होकर घंटाघर और अग्रसेन बाजार होते हुए शहीद पथ पहुंचेगी, जहां वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है।

कार्यकर्ता पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ यात्राओं को सफल बनाएं। बैठक में गौरव चोपड़ा, पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्केटिंग से हरिद्वार से गाजियाबाद पहुंचे नंदिनी-युग, गंगाजल लेकर पूरी की साहसिक यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। हरिद्वार से स्केटिंग करते हुए पवित्र गंगाजल लेकर गाजियाबाद पहुंचे 10 वर्षीय नंदिनी और 12 वर्षीय युग का सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली श्रीमती उपासना पाण्डेय ने स्वागत किया। उन्होंने दोनों भाई-बहन के साहसिक प्रयास की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नंदिनी और युग ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए जनवरी में गाजियाबाद से अयोध्या तक स्केटिंग की थी। इस साहसिक यात्रा के दौरान दोनों ने Duo Category Inline Skating में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद दोनों भाई-बहन ने एक बार फिर अनूठी पहल करते हुए हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर स्केटिंग के माध्यम से गाजियाबाद तक की धार्मिक-साहसिक यात्रा पूरी की। गाजियाबाद पहुंचने पर पुलिस अधिकारी ने दोनों का उत्साहवर्धन किया और उनकी उपलब्धि की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में नंदिनी और युग ने जिस साहस, अनुशासन और लगन का परिचय दिया है, वह अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणादायक है। दोनों भाई-बहनों की इस उपलब्धि और धार्मिक भावना से जुड़ी साहसिक यात्रा को लेकर परिजनों एवं स्थानीय लोगों में भी उत्साह देखने को मिला। नंदिनी और युग ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से यह संदेश दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से कम उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

मजदूर-किसानों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, मांगें पूरी न होने पर जेल भरो आंदोलन की चेतावनी

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। मजदूर, कर्मचारी और किसान संगठनों ने केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंकते हुए सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय, सूरजपुर में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संयुक्त ट्रेड यूनियन एवं संयुक्त किसान सभा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में श्रमिकों, कर्मचारियों और किसानों से जुड़ी विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

प्रदर्शनकारियों ने चारों श्रम कानूनों को तत्काल निरस्त करने, सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) की कानूनी गारंटी लागू करने तथा आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और रसोइयों को नियमित कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की।

इसके अलावा सरकारी संस्थानों के निजीकरण और ठेका प्रथा पर रोक लगाने, कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (डढर) बहाल करने तथा किसानों और ग्रामीण मजदूरों की पूर्ण कर्जमाफी की मांग भी रखी गई।

ज्ञापन में गौतमबुद्ध नगर के किसानों के 10 प्रतिशत आबादी प्लॉट के मामलों का शीघ्र निस्तारण, सभी आबादियों का निस्तारण और लंबित श्रमिक हितलाभ जारी करने की मांग शामिल रही।

संगठनों ने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से तेज किया जाएगा।

इसके तहत देशव्यापी 'जेल भरो आंदोलन' शुरू करने की चेतावनी दी गई।